ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS

Copyright ANGP

www.angp-hb.co.za

info@angp.co.za

मनुष्यक हृदय

Copyright ANGP

COPYRIGHT
ISBN 1 - 874934 - 43 - 6

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191, PRETORIA, 0001, R.S.A.
(A Gospel Literature Mission financed by donations)
(Reg. No. 1961/001798/08)

पाप करयवला व्यवस्थाक विरोध करइछ एवं पाप त स्वत: व्यवस्थाक विरोधी होइछ ।

० ० ०

आओर की आहाँ जनइत छी जे ओ पापक हरण कऽलय जाथि : तथा हुनका स्वभाव पाप रहित छन्हि ।

० ० ०

ओहि में तल्लीन रहनिहार पाप नहिं करइछ; पाप कयनिहार ने हुनका देखलन्हि अछि आर ने चिन्हलन्हि अछि ।

० ० ०

हे बालक, ककरो भ्रमचक्र में नहिं पड़ब केवल धर्मात्मा उनका सदृश धार्मिक होइछ ।

० ० ०

पाप करय वला राक्षस पथानुगामी होइछ, कारण ई सभ प्रारम्भे सँ पाप करइत आयल अछि। परमेश्वर राक्षस वृत्ति के नाशक हेतु अवतरित भेलाह ।

० ० ०

परमेश्वर सँ उद्‌भूत व्यक्ति ईश गुण सँ युक्त रहवाक कारणें कथमपि पाप नहिं कय सकइछ ।

० ० ०

एहि प्रकारें परमेश्वर एवं राक्षसक सन्तान में वर्गीकरण होइछ-धर्मच्युत तथा भ्रातृ-प्रेम सँ हीन व्यक्ति ईश्वर-जन्मा नहिं भय सकइछ ।

यूहन्ना ३ : ४—१० ।

Copyright ANGP

मनुष्यक हृदय

किंवा आत्मिक हृदयक दर्पण (मन दर्पण)

(दस चित्र में रुपक विश्लेषण)

ई सचित्र पुस्तिका सर्वप्रथम १७३२ ईस्वी में फ्रान्स में प्रकाशित भेल। ई "आत्मिक हृदयक दर्पण" वा "हृदयक पुस्तिका" कइबइछ एवं अपन धर्मशास्त्रिक सत्य तथा उपयोगी होयबाक कारण यूरोपक प्रत्येक भाषा में प्रचलित अछि। एकरा सभ वर्ग एवं विश्वासक क जन-समुदाय पढ़इत अछि।

ई लघु पुस्तक अफ्रिकाक जीवन-यापन एवं चिन्तन पर आधारित अछि आओर अनेकानेक अफ्रीकी भाषा में अनूदित भय जन-मानस आओर लोक जीवन के प्रभावित कय तरंगित अछि। जाहि सँ प्राचीन आध्यात्म-वाद मे परमेश्वर-कृत प्रतिज्ञाक यथार्थताक अनुभव कयलन्हि अछि जे "हम आहांके नवीन चेतना देब तथा आहांक अभ्यन्तर नवीन आत्माक सृष्टि करब।" ई नूतन नियम में पूर्ण भेल अछि।

(यहेज० ३६ : २६, इत्रियों० ८ : १०)।

Copyright Archive

मनुष्यक हृदय (मन)

परमेश्वरक मन्दिर किंवा शैतानक कारखाना

(१ यूहन्ना ३ : ४-१०)

ई कोनो नवीन पुस्तक नाईं अछि। सर्वप्रथम फ्रान्स में लगभग २५० वर्ष पूर्व प्रकाशित भेल तथा सहस्रों व्यक्ति के आशीष भेटलन्हि। ई आत्म-दर्पण स्वरूप लाभप्रद अछि जेना जाहि सँ लोक अपन आत्मिक दशा के ईश्वरक दृष्टि सँ देखि सकथि। अनेकों लोक अइ द्वारा अपन पापमय हृदय के अवलोकन कय पश्चात्ताप के प्राप्त भेलाह तथा तदनन्तर नूतन हृदय उपलब्ध कय हुनका में नवीन आत्माक सृष्टि भेल।

ई पुस्तक अध्ययन कर काल ई ध्यान राखल जाय जे ई मन-दर्पण क समान अछि जाहि में आहाँ स्वयं के देखि सकइत छी। आहाँ मसीही छी अथवा अन्य कोनो धर्म में विश्वास रखनिहार, अविश्वासी छी किंवा विश्वास-भ्रष्ट-आहाँ स्वयं के ओही रूप में परिलक्षित पायब जेना परमेश्वरक दृष्टि में। परमेश्वर पक्षपाती नहिं। ओ त मनुष्यक हृदय के परखइत छथि।

शैतान सब प्रकारक मिथ्या सँ अविभूत होइछ तथा अज्ञानक अग्रणी रहितहुं ओ अपना के कृत्रिम रूपे स्वच्छ राखि संसारक ईश्वर घोषित करइछ तथा ओकरा में विश्वास कयनिहार के चेतना प्रकाश भेटइत छन्हि-जखन शैतानक वास्तविक रूप प्रकट होइछ परम्परानुसार बहुत मिथ्यापूर्ण एवं भ्रामक कार्यकर्त्ता लोकनि छथि जे स्वयं के ख्रीष्ट क दूत कहइत छथि

ई कोनों आश्चर्य क विषय नहिं, कारण शैतान आइ-काल्हि स्वयं के ज्ञान-(उजियाला) इन में बदलि लेलक अछि। शैतान, अइ संसारक कथित

ईश्वर; लोकक चेतना एवं दृष्टि के निबीड अन्धकार में राखि दइत छैक, जाहि कारण ओ लोकनि परमेश्वरक प्रेम, शक्ति एवं सार्वभौमिकता के अवलोकन करबा में असमर्थ भऽजाइत छथिआ ओर संगहि अपन उद्धारकर्त्ता प्रभु ईसू मसीह के सेहो देखइत छथि (२ करि० ४ : ४)। निष्कर्ष रूप में सब पापी एवं अविश्वासी परमेश्वर के प्रति अज्ञात एवं आन्हर छथि। हुनका पर एहि संसारक तथा कथित ईश्वरक अधिकार छइक इफि० २ : २)। जावतकाल हुनका सभ कें भ्रान्त-पथ सँ सचेत नहिं कयल जायतओ विनाश पथ दिस अग्रसर रहत। स्वयं के पापहीन कहबला आप अपना के भ्रम में रखेछ।

अहू पुस्तकक अध्ययन करबाकाल आप आहां अपना हृदय के मूर्त रूप में देखि सकइत छो। परमेश्वर प्राप्ति में सहायक चेतना के हृदयअवलोकन करऽ दियो, अपना पाप के स्वीकार करू, लेकिन ई कहि एकरा अस्वीकृत नहिं करू जे आहां पाप-हीन छो। कारण ईश-वचनानुसार "जौं इ कही जे हम पापहीन छी नऽ ओहि स्थिति में स्वयं के भ्रमित करइत छी आओर असत्य-पथगामी छी। यदि हम अपना पाप के स्वीकार कय ली तो परमेश्वर हमर सब पाप के क्षमा कय धर्मशुद्धि करबाक धर्म तथा सामर्थ्य पूर्ण छथि। (१ यूहन्ना १ : १-१०), ईश्वर पुत्र, ईशू मसीह क रक्त दान हमरा सभ पाप के शुद्ध करबा में समर्थ छन्हि।

अपनेक ऊपर शैतान अथवा ईश्वर क राज्य अछि। आहां या त पापक दास छी अथवा परमेश्वरक। यदि अपनेक जीवन में पाप क बाहुल्य होत ओकरा अस्वीकार नहिं करबाक चाही। उत्तम त ई होयत जे ईशु मसीह द्वारा आहां सबके स्वतंत्र करबाक हेतु, पाप सँ रक्षा करक लेल तथा सर्वव्याप्त शैतानक शक्ति के चकनाचूर करक वास्ते परमेश्वरक प्रति कृतार्थ होई। यैह परमेश्वरक हमरा लोकनि के सांसारिक बन्धन से मुक्त कय सकइत छथि। आहां सब ओहि पवित्र ईश्वरक समक्ष उपस्थित छी जे आहांक सब रहस्य सँ अवगत छथि तथा अप्रत्यक्ष रूपेण

आहाँक विचार के बूझइत छथि। ओ आहांक जीवन क लेखा-जोखा रखनिहार थिकाह। ईश्वर सँ स्वयं एवं अपना कर्म के गुप्त रखबाक चेष्टा निरर्थक। कारण "कान देनिहार की स्वतः नहिं सूनि सकइत छथि ?"

"पृथ्वी निवासी पर ईश्वरक सतर्क दृष्टि एहि लेल आवश्यक होइछ जाहि सँ निःस्वार्थ एवं निष्कपट भाव सँ संलग्न व्यक्ति के सहायता में ओ अपन सामर्थ्य देखा सकाथि।" — (२ इतिहास १६ : ९)

"ईश्वर लोकक चरित्र एवं आचरण पर विशेष ध्यानस्थ रहइत छथि तथा ओ हुनक सब प्रक्रिया के देखइत रहईत छथि। अनर्थ करऽबला निबीड़ अन्धकारों में नहिं नुका सकइत छथि।" (अयुब ३४ : २१, २२)

"परन्तु ईशू अपना के हुनका लोकनि मात्र पर आधारित नहिं रखलन्हि कारण सबके चीन्हइत रहथिन्ह।" (यूहन्ना २ : २४)

एतदर्थ ओ धन्य पथि जिनक अपराध के क्षमा कयल गेल हो तथा पाप के झांपल गेल हो। ओ मनुष्य धन्य थिकाह जनिका अधर्म के यहोवा बेजाय नहि मानथि तथा आत्मा निष्कपट होन्हि।" (भजन संहिता ३२ : १, २ से ५१)

यीशू आइयो सबके आह्वान कय रहल छथि—हे कठोर परिश्रम कयनिहार तथा समस्या संकुल मानव-आहां हमरा लग आउ-हम विलामक व्यवस्था करब। (मत्ती ११ : २८, ३०)

—o—

चित्रक अर्थ (पहला चित्र)

ई चित्र एक सांसारिक, नवीन जन्म रहित पापी मनुष्यक हृदयक स्पष्टीकरण करइछ जेना कि धर्म पुस्तक बाइबिल में वर्णित अछि, विशेषतः जनिका ऊपर सांसारिक विषय-वासनाक प्रभाव छन्हि। ईश्वर द्वारा हृदय में आनल पापी हृदयक ई सत्य चित्र थिक। ई मदान्ध लाल नेत्र क वर्णन नीति वचन २३ : २९, ३२ में अछि। के पश्चात्ताप करइछ? के झगड़ा में फंसइत अछि? अकारण ककरा घाव होइत छइक? ककर नेत्र लोहित होइछ? हुनक जे मदिरा पान करइत छथि एवं कृत्रिमता क सेवन करइछ। दाखमधु लाल होइछ। कटोरी में ओकर रंग सुन्दर लगइत छइक, मुदा धार क संग मिश्रित भेला सन्ता ओ सर्प समान विषाक्त तथा करईत जकां कटइत अछि, पर स्त्री क प्रति आकर्षित एवं अनट बात बजइत अछि।

एहि चित्र में माथक नीचा मनुष्यक हृदय परिलक्षित होइत अछि जतए अनेकानेक जीव-जन्तुक क बास अछि तथा ओ विभिन्न प्रकारक पाप के इंगित करइछ, कारण येह हृदय पापस्थल अछि। परमेश्वर अपन यरमियाह नबी द्वारा बुझबइत छथि जे मन सर्वाधिक भ्रामक होइछ तथा ओ असाध्य रोग सँ त्रस्त अछि। ओकर रहस्य के बूझत?" (यरमियाह १७ : ९) यीशु स्वतः एकरा सम्पुष्ट करइछ जे मनुष्य क मन सँ चिंता व्यभिचार, चोरी, हत्या, पर स्त्री गमन, लोभ, दुष्टता छल, लुच्चापन कुदृष्टि, निंदा, अभिमान और मूर्खता निस्तृत होइछ ई सब कुविचार आन्तरिक मानस सं उद्भूत अछि तथा मनुष्य के अशुद्ध करइछ। (मरकुस ७ : २१, २३)।

(१) मोर पक्षी — मयूरक सौन्दर्य सर्व प्रशंसित अछि, मुदा एतऽ मनुष्यक हृदयक अहंकार क प्रतीत होइछ। लुसीफर भोरूकवा ज्वाज्ज्वल्यमान नक्षत्र, व्याप्य दोष एवं कोनों समय ईश्वरक मान रूपी

Copyright ANCP

मशाल लाक चलवला स्वर्गदूत छल-मुदा बाद में अहंकार क कारणें पतित भय परमेश्वरक शत्रु इबलिस बनि गेल। (यशायाह १४ : ९-१७ : यहेज किएल २८ : १२-१७)

अहंकार नरक सन वीभत्स स्थान सं नि:सृत भय अनेक प्रकार सँ अपना कें प्रकट करइछ। किछु व्यक्ति अपन धन-सम्पत्ति पर, उच्च शिक्षा पर, शरीर के निर्लज्ज करयवला वस्त्र पर घमण्ड करइत छथि, किन्तु

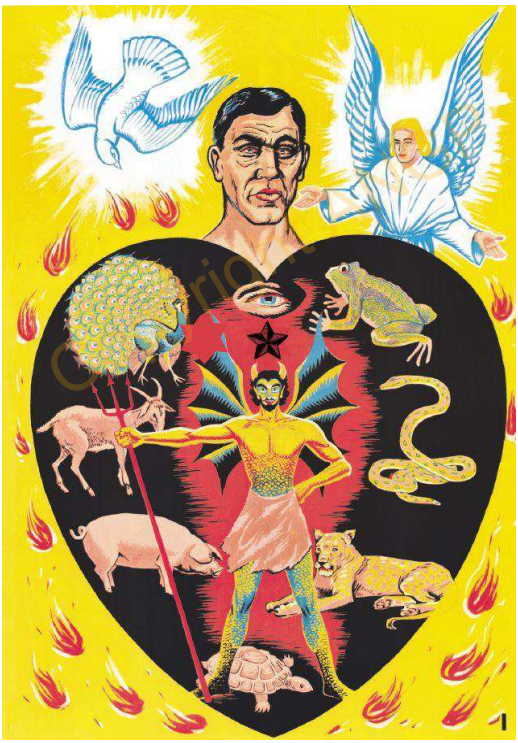

चित्र १—पापी मनुष्यक हृदय

किछु लोकनि अपन आभूषण, चूड़ी अनामिका आदि पर, जेना कि यशायाह ३ : १७-२४ में वर्णित अछि। तदन्तर कतिपय व्यक्ति अपन राष्ट्रियता, पूर्वज, संस्कृति जातिवाची आदि पर अभिमान कय बिसरि जाइत छथि जे परमेश्वर अभिमानी के हतोत्साहित करइत छथि, परन्तु 'दीन' क प्रति अनुग्रहीत छथि। (१ पतरस ५ : ५), परमेश्वर घमण्ड, अभिमान एवं क्रोध सँ घृणा करइत छथि। (नीति वचन ८ : १३)

"विनाश सँ पूर्व गर्व एवं धोखा खाय स पहिले घमण्ड होइछ।" (नीति वचन १६ : १८)।

(२) छागर — दुर्गन्धयुक्त वासना-व्यथित ई पशु मनुष्यक विषय वासना, अनैतिकता, व्यभिचार एवं पर-स्त्री गमनक परिचायक अछि। ई पाप आइ-कालिह एतेक बढ़ि गेल जे २००० वर्ष पूर्व कहल यीशू मसीहक कथन पर विश्वास करऽ पड़इछ जे एहि सांसारिक जीवनक अन्तिम चरण सदोम एवं गमा भ्रमित रहत। ई तथाकथित विरूपित आधुनिक आत्मा पुरुष-स्त्री, धार्मिक संस्थान, स्कूल, कालेज आदि सब में प्रविष्ट य चुकल अछि। ई नाशक बीज अत्यन्त कपट विधि सँ सिनेमा, नाटक, दूषित पुस्तक आओर अनेकानेक पद्धति सँ व्याप्त, भय रहल अछि। परमेश्वर जकरा पाप मानइत छथि – ओ आधुनिक फैशन एवं नैतिक जीवन क आधार मानल जा रहल अछि।

लाखों युवाजन चित्र पर, एवं अश्लील उपन्यास के अपन जीवनक नैतिक आधार मानि शोक, लाज, कष्टक, निराशा आदि क कारण बनि गेल छथि। विकृत स्वभाव सँ त्रस्त विश्रृंखल जीवन मार्ग पर चलनिहार सिनेमाक पात्र लोकनि आब बहादुर एवं श्लाघ्य मानल जाइ छ। नाच घर अनैतिक कार्य क केन्द्र प्राय बनि गेल अछि। परमेश्वरक पवित्रता

Copyright AIIGP

सँ पूरित पीरगम (प्रकाश २९) आब आश्चर्य नहि लागत आइ जे। अस्तु, प्राचीन अन्धविश्वासी तथा विधर्मी, जे व्यभिचार-रत व्यक्ति के मारि दइत छथि एहि तथाकथित पीढ़ी के शिक्षक रूप छथि एवं व्यक्तिक कठिन परीक्षाक समय हमारा सोचो नहि सकइत छथि। परमेश्वरक आदेश छन्हि जे हम व्यभिचार सँ दूर रही। 'व्यभिचार सँ दूर रहू: मनुष्य द्वारा होयवला अन्य सभ पाप देह सँ बाहर होइछ, किन्तु व्यभिचार करयवला अपने देह क विरुद्ध पाप करइ छ। की अहाँ नहि जनइत छी जे अहांक देह पवित्रात्माक मन्दिर अछि जे अहाँ में निवासित छथि और ईश्वर द्वारा अहाँके भेटल अछि (१ कुरि ६ : १९, २०)। यदि केओ परमेश्वरक मन्दिर के नाश करत-त ईश्वर ओकर नाशक कारण हेताह कारण परमेश्वरक मन्दिर, मन्दिर होइ छ और ओ अहाँ छी। (१ कुरि ३ : १७)।

(३) सुअर — ई पशु मद्यपान एवं अत्यधिक भोजनक प्रतीक अछि। अति नीच कोटिक ई पशु मार्ग में पड़ल अशुद्ध सँ अशुद्ध वस्तु के खा जाइछ जेना कि पापमय हृदय अशुद्ध पुस्तक पुस्तिका, अशुद्ध विचार एवं संकेत के ग्रहण कय लइत अछि। ईश्वर क वास-स्थान बन'वला ई शरीर अशुद्ध भोजन-पान, अशुद्ध अभ्यास-जेना बीड़ी-सिगरेट, मदिरा पान, तम्बाकू, अफीम एवं अन्य हानिकारक वस्तु द्वारा अशुद्ध बना देल जाइत अछि। तम्बाकू एवं अफीम क आदत पहिने सँ बहुत अधिक बढ़ि गेल अछि। मात्र ईश्वरीय शक्ति एहन अभ्यास सँ मुक्ति दिया सकइत छथि। यद्यपि ईश्वरक कोप-भय सँ ई सब गिरिजाघर में तम्बाकू पीबाक साहस नहि करइत छथि तथापि स्वयम् के अन्तर् में वर्तमान ईश्वरक भय में रहबाक हेतु हुनका दुःख नहि होइत छन्हि यद्यपि ओ स्वतः ईश्वरक पवित्र निवास स्थल छथि। प्रेरित पौलुस कहने छथि जे "अहाँ ईश्वरक पवित्र मन्दिर छी और परमेश्वरक आत्मा अहाँ में वास करइत छथि?" (१ कुरि ३ : १६, १७, ६ : १८, १९)

Copyright ANGP

पेटू मनुष्य सेहो ईश्वरक दृष्टि में घृणाक पात्र अछि। हम जीवन क हेतु भोजन करइत छी भोजनक हेतु नहिं जीवइत छी। क्षुधा नीक भोजन कयला सँ तृप्त भय जाइछ— मुदा जिह्वा क चटपटी रुचि कहियो समाप्त होयबला नहिं। "दे० दे०।"

विलासिताक तुष्टि कथमपि संभव नहिं। पुरातन नियम के अनुसार पेटू एवं पागल के पाथर सँ मारबाक व्यवस्था अछि (व्यवस्था वि० २१ : १९-२१)। मदिरा पापी एवं पेटू अपन भागक त्याग करइत छथि तथा फाटल-चीटल कपड़ा धारण कर' पड़इत छन्हि, अपव्ययी अपना पिता के कलंकित करइत अछि। (नीति वचन २३ : २१, २८ : ७)

आहाँ ओहि विलासी एवं पेटू धनवान के स्मरण करू जे मरणोपरान्त नर्क में नेत्र खोलला सँ पश्चोलक' ओ मर्मान्तक अवर्णनीय पीड़ा में छल। मदिरा जनित वस्तु के धारण के ला सँ होयबला खराबी सर्वज्ञात् अछि। ई बात लोक सबके नीक जकाँ बुझा देल गेल छान्ह-मुदा उच्छृंखलता क कारण ओ ओकरा बुझला में समर्थ नहिं भय सकलाह अछि। परमेश्वर स्पष्ट रूप स कहि देने छथि जे कोनो मदिरायायी ईश्वरक राज्य के उत्तरदायी नहिं भय सकइछ। मदिरा निर्माता एवं विक्रेता सेहो ओहिना पापक भागी छथि - कारण ईश्वर करइत छथि" हुनका लाज हायबाक चाहियन्हि जे मदिरा पान में तथा बनाब में प्रवीण छथि। (यशायाह ५ : २२)" ओ निन्दनीय छथि जे पड़ोसी के पिया ओकर मतिहीन बनाकय नग्न अवस्था में देखइत छथि (हबक्कूक २ : १५)। हुनका शृंगारकक्ष में सारंगी, मधु, डफ, बाँसुरी आदि सब पाओल जाइछ-मुदा ओ परमेश्वरक कला नहि देखि सकइछ (यशायाह ५ : १२)। की आहाँ नहि जनइत छी जे अन्यायी ईश्वरक उत्तरदायी नहि भय सकइछ ? संगहि संग वेश्यागामी, मूर्त्ति-पूजक, पर स्त्री गामी, लफंगा, पर - पुरुषगामी, चोर, लोभी,

पियक्कड़, गारि पढ़वला तथा अन्याय करयवला सेहो ईश्वरक उत्तरदायी नहिं हताह (१ कुरि ६ : ९, १०)।

सांसारिक पाप के चिन्हबा में भ्रम नहि होइछ। किछु ई छथि :— पति-पत्निव्रत-हीनता, अपवित्रता, निर्लज्जता, मूर्तिपूजा, जादूगरी, झगड़ा, विरोध, ईर्ष्या, डाह, व्यग्रता, द्वन्द्व, मतभेद, विभाग, पागलपन, विलासिता एवं तद्रूप अन्य विषय, उपर्युक्त दोस-कर्म के सेवी कथमपि ईश्वरक साम्राज्यक भागी नहिं भय सकइछ (गल० ५ : १९-२१) मदिरायायी-आहां मदान्ध नहिं बन्दू-अहि सँ चाटुकारिता बढ़त-किन्तु सदात्मा के बढ़ाउ तथा परिपूर्ण होउ। (इफि० ५ : १८)

यीशु क्षुधित के एहि प्रकारें आमन्त्रण देने छथि :—यदि केयो क्षुधा पीड़ित अछि त ओ हमरा लग आबि पानकय तुष्ट होअअ। जीवनक पानी मगनी में पीविसकइछ, (यूहन्ना ७ : ३७-३८)। हे क्षुधित जन; जलक समीप आउ और जानका संग रुपया नहिं हो—ओहो पर्यन्त अविकय खरीदू और खाउ। दाखमधु एवं दूध बिना व्यय के आवि कल लिय (यशा० ५५ : १)।

(३) काछु :— आलस्य, टाल मटोल, भूत-सिद्धि, टोना, टटका आदिक सूचक अछि! आलसी सब सोचइत-सोचइत मरिजाइत छथि, कारण हुनक हाथ कार्य नहिं कर चाहइछ। किछु एहनो छथि जे राति-दिन खाली पुकाव पकवइत रहइत छथि, (नीति वचन २१ : २५)। यहोश् इसरायल निवासी के कहलन्हि जे देश के स्वतंत्र बनावक हेतु आलस्य छाड़ि देबाक चाही। मनुष्य विषय-वासना सँ एतेक पीड़ित भय गेल आछि जे ईश्वरक वस्तु ओकरा देख में नहिं अवइत छइक। ईशा मसीह नै लेल कहलन्हि—"इंगित मात्र सँ एहि में प्रविस्ट करू" (लूक० १३ : २४)"

"अन्वेषण करब तखने पायब।" समस्त राज्य पर अधिकार रहितहुँ बलवान ओकरा अपहरण कय लइत अछि (मती ११ : १२)।

आलस्य उद्धार रत आत्मा के विनाशक मार्ग पर लय जाइछ। ईश्वरक प्रार्थना, रहस्य, सर्व-सुखीभाव के अपनाव में, जाहि में सर्वाधिक ईश्वरक कृपा संभावित होइछ-रोकइछ तथा आदमी विनाशक दिश अग्रसर होइत अछि। जखन परमेश्वर कहलन्हि आहां अपन आत्मा हमरा द दिय त शैतान कहलगइत अछि "आइ नहिं कालिह ई भय सकइत अछि। आह, संभव ई कालिह कहियो ने आवय एवं मन्दष्य विना उद्धार भेने मरि जाय। परमेश्वर कहइत छथि जौं आइ आहां के ओकर स्वर सुनि पड़य त आहां अपना मोन के कठोर नहिं करू, (इब्रीय ३ : ७-८)। अपना उद्धार के बान कालिह कलेल तार बला बहुतो लोकनि नष्ट भय चुकल छथि तथा कहियो हुनका जीवन में ई अवसर नहिं अयलहि।

काछुक अस्थि-पंजर सँ जादू-टोना करयबला, तथा ओकरा अस्थि सँ गुणी ओझा सम भविष्यवाणी, भूत सिद्धि तथा भूत खेलायब सिखबइत छथि जाहि सँ बिमारी, शोक, सन्ताप दूर करबाक दुराशा होइछ—मुदा सर्वदा सहायता करयबला ईश्वर के स्मरणे नहिं करइत छथि। एकर स्थान पर हम भाग्य पर विश्वास कर सकइत छी जे सब गति यहोवा द्वारा लोखि देल गेल अछि (भजन स० ३७ : २३)। कारण उन्नान कोनो विचारेँ नहिं बाधि ईश्वरक न्याय सँ होइत अछि (भजन सं० ७५ : ६-७)। परमेश्वर इसराइल निवासी सब के कहलन्हि जो अपना सन्तान के यज्ञ, तन्त्र-मन्त्र, जादू जादूगर, बाबाजी, साइत मुहुर्त आदि पर विश्वास नहिं करय बथि-आओर ने ओहन बन देथि कारण यहोवा ओकरा सँ घृणा करइत छथि व्यवस्था वि० १८ : १०-१२)। "कुक्कुर, ओझा-गुणी, व्यभिचारी और हत्या कयनिहार, मूर्ति-पूजक, असत्यंभाषी सब निस्काषित

Copyright ANGP

कयल जाथि" (प्रकाशित वाक्य २२ : १५)। आहां लोकनिके भूत क ओझा, भविष्यद्रष्टा अथवा ओहि पर विश्वास करयवला के देखबोक नहिं चाहि। "हम आहांक परमेश्वर "यहोवा छी" (लैं० व्यवस्था १९:३१)। यदि कोनो ओझा या तद्रूप गुणी यहां के किछु कहथि त हुनका पुछबाक चाहि कि प्रजा के अपना परमेश्वर के जाक पुछबाक चाही वा नहि? जीवित क संबध में मुर्दा सँ पुछनाइ की उचित? एहन लोक सब लग केवल परमेश्वरक चर्चा तथा हुनक उपदेश बखान कर बाँच चाही आओर ओ यदि ईश्वरक आदेशानुसार नहिं बाजथि त बूझय जे हुनका लोकनिक जीवन में प्रातःकाल कहियों नहिं अओतन्हि (यसायाह ८ : १९-२०)।

ई पुस्तक पढ़बाक समय ईश्वर आहां स वार्तालाप करइत ई करइत छथि जे आहां अपन समस्त जीवन हुनका समर्पित कय दी। लेकिन आहांक अन्तर्मध्य स्थित काछुक आत्मा ओकार प्रतिकूल दिशा-निर्देशन करइत अछि तथा ईश्वरक प्रति समर्पणक अपन निर्णय के टारइत जयबाक विचार दइत अछि। एहि प्रकारें ओ आहां के भयभीत करइत अछि—जे जौं आहां मसीही बनि जायब-त बन्धु वर्ग, हितेच्छुक को कहताह? दुनियां की कहत यदि हम चार दोस्त, रंग-विलास, नृत्य आओर अन्य दुनियादी काम सँ विलग भय जायब? ईसू मसीह के अथाह वैभव, अकथनीय आनन्द, हुनक पराक्रम, अनंत जीवन-सुख देखक विरुद्ध काछुक सुझावल बात ध्यान में आवि जाइछ तथा ईशु मसीह के अपना ध्यान में लावक लेल ई सभ त्याग पड़त। मनुष्य के मृत्युक भय ओकरा शैतानक वश में राखि दइछ। किन्तु ख्रिष्ट एहिलेल अवतरित भेलाह जे लोक-जीवन के मृत्युक भय सँमुक्त कय सकथि (इब्री-२ : १४-१५)।

(५) चीता—ई एकटा भारी कठोर जानवर होइछ। अधिकतर आदमीक मन में घृणा, क्रोध, हत्या एवं लँठई रहैछ, बहुत बेर त आदमी खून सेहो क दैसैत अछि। लोक अपन बदमासी पर ओहि समय तक काबू करक कोशिश क सकल यावत् तक की लोक अपने आप में रहैत अछि। नीक होयत यदि अहाँ अपन क्रोधी स्वभाव के मानि ली आओर यीसू सँ वरदान माँगुकी ओ अहां के क्रोधी स्वभाव सँ मुक्त क देथि। "एहि सँ दुखी नहि होउ आरने स्वयम पर क्रोध करब (उत्पत्ति ४५ : ५)।" क्रोध के त्यागी दी तथा चंचलता नहि करी कारण एहि सं अनिष्टक भारी आशंका अछि।" (भजन स० ३७ : ८) क्रोध कठार आगिक धार समान अछि जकरा प्रज्ज्वलित भेला सन्तां कोनो वस्तु स्थिर नहिं रहि सकइछ? (नीति वचन २७ : ४) आहां चिन्तित अवस्था में कहियो क्रोध नहीं करू कियेक त ओ मूर्ख लोकक मोन में बास करइत अछि।" आहां आपन क्रोध के दूरक दिय" (सभोपदेशक ७ : ९; ११ : १०)।

"बहुत गोटे क्रोधक नशा बदला लक उतरा चाहइत छथि, लेकिन ओकर दाखमधु साँप के विष सम जहर होइत अछि" (व्यवस्था वि० ३२ : ३३) पापी बदला लेबा में प्रसन्नताक अनुभव करइत छथि किन्तु हमारा सँ बदला लेबक हेतु ईश्वर त छथिये। तेलेल यीसू कहने छथि "अपन पडोसी सँ अपना जेकां प्रेमकरी" आओर दुश्मनो के प्रेम स देखी। परमेश्वर हमर दोष क्षमा कय देताह, यदि हमहू अपन अपराध करय वला के माफ कर दी। क्रोधी व्यक्ति पर ईश्वरो क्रोध करइत छथि। युद्ध एवं रक्तपातक भावना सेहो मनुष्य में रहइछ। मनुष्य के अधिक दिन तक जीवित रखबाक लेत ओकरा हृदय में शान्तिक स्थापना आवश्यक अछि।

(६) सर्प—अपनक फूलवाड़ी में ईश्वर के प्रवंचना कयलक एवं हुनका लग सँ अपन ध्यान हटा लेलक। एक शैतान जखन देखलक जे आदम एवं

होआ परमेश्वरक सत्संग में रहि समस्त संसार में राज्य करइछ तो ओकरा डाह होमय लागल। तखन ओ लुसिफर, जकर रंग ताराक समान चमकइत छल---भेष बदलि ओकरा समक नाशक उपाय सोचलक तथा परमेश्वरक सत्संग एवं जीवन के नष्ट कयलक। "डाह बड़ खराब वस्तु थीक-ई कब्रक समान होइछ। (श्रेष्ठ गीत ८ : ६) ओ मनुष्यक मन में सुख-चैन नष्ट करबाके विचार लबइत अछि एवं एहि प्रकारें ओकरा सभक बीच रक्तपात होइछ। व्यापार एवं डाह एक दोसरक मन में विभिन्न डाह एवं घृणा उत्पन्न करइछ। एत धरि जे मसीही एवं धर्माचरण करयवला सब सेहो एकर प्रतारणा सँ वंचित नहिं रहइत छथि। जखन छथिन्ह त आन लोकनि ओकरा सँ ईर्ष्या करय लगइत छथि। मनुष्यक लेल सर्वाधिक उत्तम ई जे ओ सतत् सतर्क रहय आओर अपना आत्मा के एतेक प्रेम सँ लबालब भरिलियए जे ओकर धारा हमरा मोन में सतत् प्रवाहित होइत रहय। एहन नहिं हेबाक चाही जे ओहि स्थान पर शैतानी आत्मा प्रवेश कय ओकरा परमेश्वरक दृष्टि में अयोग्य बना दियै।

(७) बेंग---ई माटि खयनिहार जीव मुद्रा क लोभ देखबइत अछि जेसभ पापक मूल अछि (१ तिमोथी ६ : १०)। कांगो देश में देखल गेल अछि जे ओहि ठामक बेंग एतेक चुट्टी खाइत अछि जे बाद में ओकर पेट फाटि गेला सँ ओ मरि जाइछ। धनी व्यक्ति विलास रत रहइत निर्धन एवं अपंगु के धन दान नहिं कय धोखा-धड़ी आओर हर सम्भव उपाय सँ धन संचय करबा में लागल रहइछ जकरा कीड़ा आदि खाक एक ने एक दिन नष्ट कय दतेइक। तें लेल ईशू कहलन्हि "अपना लेल पृथ्वी पर धन नहिं एकत्रित करी, कारण ओहि में कीड़ा आदि लागकिय ओकर नष्ट कय देत, मुदा स्वर्ग में धन जमा करबाक चाही जे ने कीड़ा द्वारा नष्ट कयल जा सकइछ आरने चोर ल जा सकइछ। कारण जत आहांक धन रहत, ततहि ध्यान लागल रहत (मत्ती ६ : १९-२१) लोभी लोकनि समूल नष्ट

भय गेलाह, कारण ओ हीरा-रत्न एवं नीक-२ वेश-भूषाक लोभ कयलन्हि (यहोसु ७)। यहूदा इस्कारियोत, ईशू क शिष्य फांसी लगा कय मरि गेल-कारण पैसाक लाभ ओकरा ईशू मसीह के पकड़बेबाक लेल बाध्य कयलक। पैसा आओर सोना ओतेक खराब नहिं जतेक मन्दस्यक मोन में लुकायल पाप विचार।

प्राय: सभक मोन में लोभक स्थिति अछि। लोभई जे कहुना हम अनायास खूब धनी भय जाइ, भलेही वो जूआ खेलला सं, घुड़कोड़ सें अथवा कुक्कुरक प्रदर्शन सं हो। बिना परिश्रम के धन कमायवला सभ चोरी दिशि अग्रसर भय कहियो कहियो एहनो पाप कय लैत छथि जे आत्म हत्या कय लइत छथि। पैसा, अधिकार, क्षमता वा राजनीति सभकलोभ निकृष्ट होइछ। राजनैतिक लोभ लोक पर शासन क प्रेरणा दइत छन्हि, धन जमा करबाक लोभ निर्धन के आओर आधक प्रताड़ित करइत छन्हि। कोनो परमेश्वरक नाम पर अपना मण्डली के दोसर मण्डली सँ श्रेष्ठ करबाक लोभ करइत छथि तथा ओकरा पर दोषारोपणक प्रयास करइत छथि (मरकुस ९ : ३८) ईशूक वचन स्पष्ट कहइत छथि "सतर्क रहू, लोभ रहित रहू, कारण अधिक धन सं जीवन में शान्ति नहिं रहइछ" (लूका १२ : १५)। एक धनी व्यक्तिक किस्सा अछि "ओकरा जमीन में खूब उत्पादन भेलइक, ओ सोचत लागल जे एतेक धन रखबाक लेल त हमारा स्थाने नहि अछि। तखन ओ विचारिकय निर्णय करलक जे छोटका वखारीक तोड़िकय बड़का वखारी बनाय ओही में सबटा अन्न राखि दी तथा अपना के कहलक जे तोरा लेल बर्षो धरि ततेक सम्पत्ति राखल छौक जे चैन सँ खा-पी आओर सुखपूर्वक रहह। मुदा परमेश्वर चेतौलखिन्ह जे हौ मूर्ख, जँ अहि राति तोहर प्राणान्त भऽ जाउ तंऽ अहि जमा कएल धनक उपभोग के करत। अहि प्रकारे धन एकत्रित करए वाला मनुष्य परमेश्वरक दृष्टि में निर्धन अछि (लूका १२ : १६-२१)। जे

Copyright ANGP

मनुष्य अपन प्राणक आहुति दऽ विश्व-विजेतो बनि जाए त ओ की पौताह (मरकुस ८ : ३६-३७)। यीशु पुनः कहने छथि "मनुष्य के अपन प्राण आओर शरीरक चिन्ता नहिं करबाक चाहि कि हम की खाएब वा पहिरब। किएक त शरीर भोजन आओर प्राण सँ बढ़िक अछि। मुदा जौं परमेश्वरक खोज में लीन रहि तऽ सहजहिं ओ सभ भेटि जाएत तें स्वर्ग पर एहन धन एकत्र करि जे घटत नहिं। जतए नें त चोरी भऽ सकैत अछि आओर नें कीट नाश करि सकैत अछि।" (लूका १२ : २२-३४)।

(८) शैतान—ई मिथ्या आओर ओकर गढ़निहारक अग्रणी अछि। ई कुकृत्यक लेल प्रेरित करैत अछि। यीशु कहैत छथि "आहाँ अपन शैतान पिताक लालसा पूर्ण करऽ चाहैत छी जे आजन्म हत्यारा आ असत्य रहल अछि। ओ अपन अहि स्वभाववश झूठ बजैत अछि तें ओ झूठक पिता अछि।" (यहून्ना ८ : ४४)।

मिथ्या, मिथ्या अछि। कोनोहि तरहक मिथ्या सभक अपन रूप होइत अछि। कपटी सेहो मिथक होइत छैक मुदा अपन ढोंग विपरीत रूपे प्रस्तुत करि ओ भ्रम में रखैत अछि। जहिना परमेश्वर सत्य अछि तहिना हुनक अनुयायी मसीही मिथ्या नहिं बाजि सकैत अछि (तितुस १.२)। जँ मिथ्याक अपन सहभागिता बुझि हम अन्हार में चलित अपनाक असत्य अनुयायी आ मिथक बुझि (१ यूहन्ना १ : ६)।

घृणा, गर्व सँ चढ़ल आँखि, झूठ बाजए बला जीह, निर्दोषक शोणित बहाव बाला हाथ, अनर्थ सोचनिहार मन, बुराई क लेल प्रेरित पैर, मिथ्या आचरण करनिहारक गवाह आओर भाए सभक' मध्य विवाद पसारनिहार मनुष्य सँ यहोवा बैर रखैत अछि। (नीतिवचन ६ : १६-१९)

Copyright Angel

(९) तारा—ई मनुष्यक अन्तर्हृदयक विवेकक प्रतीक थिक। चित्र में ई अशोच आ मृत्युक इंगित करैत अछि। खराब विवेक कौखनक शान्त रहैत अछि आओर कौखन चिन्तामग्न। तैं गमलाक पश्चातो पाप कर्यनिहार मनुष्यक आँखि तेहन ने आन्हर भऽ जाइत अछि जे ओ अपन कुकर्म के नहि चिन्ह पावैत अछि। अविवेकी प्रणेता क्षमाक योग्य के अपराधी ठहरबैत अछि आओर अपराधी के क्षमादान दैत अछि। एहन विवेक धीपल लोहा से दगलाक कारणे संभवत: भेल अछि। तैं "आत्मा स्पष्टत: कहैत अछि जे आवए वाला समय में मिथ्या मनुष्यक कपटक कारणे कतेक लोक दुष्टात्मा आओर भरमाव वाला आत्माक उपदेश पर विश्वास करि बहकि जेताह" (१ तिमोथी ४ : १-२), (इब्रानियों १० : २२)

(१०) आँखि—परमेश्वरक आँखि मनुष्यक हृदय आओर जीवनक सभ चीज पर गौर करैत अछि। मनुष्यक अन्तर्हृदयक गुप्त भावना विचार सभ किछु ओकर प्रज्वलित आँखि सं छिपल नहि अछि। ओ सभ ठाम, चाहे ओ घनघोर अन्हरिया, घना जंगल, ओझल गहिड़ जगह किएक नहि हो, सर्वत्र देखैत अछि। चित्र में आँखि मनुष्यक चेहराक प्रतीक अछि।

(११) आगि सन छोट जीभ—ई परमेश्वरक प्रेम के प्रकट कए रहल अछि जे पापी हृदय के चारू दिसि सँ घेरने अछि। परमेश्वर पाप सँ घृणा करैत अछि तथापि ओ ओ मनुष्य सँ प्यार करैत अछि आओर ओकर मृत्यु सँ खुश नहि होइत छैक। वरन वो चाहैत अछि पापी मनुष्य पश्चाताप करए। प्रभु यीशु अहि लोक में [illegible] अछि। आगि सनक छोट जीभ यीशु के शोणित दिस इंगित करैत अछि। "यीशु परमेश्वरक मेम्ना अछि जे लोकक पाप के उठा लए जाइत छैक" (यहून्ना १ : २९)।

Copyright ANGP

(१०) स्वर्गदूत —परमेश्वरक विचार बतबै छैक। पापक बोझ सँ दबल स्त्री-पुरुष सभ सँ परमेश्वर गप करऽ चाहैत अछि जाहि सँ ओ सभ पश्चाताप कऽ सकैथ आओर परमेश्वरक प्रेम आ ज्योति के अन्तर्हृदय में स्थापित कऽ सकैथ ।

(१३) परेबा — पवित्रता एवम् सत्यात्माक प्रतीक पाप, धर्माचरण कयनिहार, तथा परमेश्वरक दिश मनुष्य के विमुख करैत अछि। पवित्रात्मा एतऽ मनुष्य हृदयक बाहर थिक तैं जाहि ठाम पापीक राज्य थिक ओतए ओकर रहब संभव नहिं ।

(दोसर चित्र)

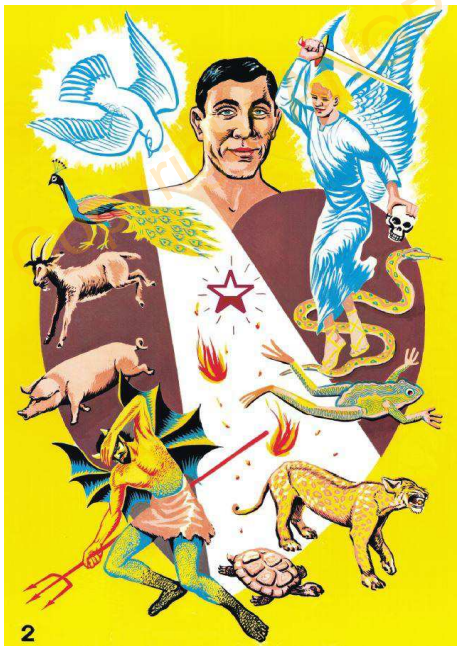

चित्र संख्या २ - - पश्चातापी मनुष्यक हृदय

जौं अहि चित्र में देखाएल हृदयक वर्णन आहांक हृदयक दशाक अनुरूप अछि तऽ आहाँ परमेश्वरकें धन्यवाद दीअ। आओर अपन हृदय के प्रभुक समक्ष फोलि ओकर ज्योतिर्विचार के अन्तर्निहित करु। "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करब तऽ आहांक उद्धार हएत" (प्रेरित १६:३१)

परमेश्वर चाहैत अछि आ तैयार सेहो अछि जे अपन प्रतिज्ञाक अनुरूपे औ आहांक अन्दर नव हृदय (परिवर्तित) आ नव आत्मा के प्रतिष्ठापित करत।

ई चित्र एक गोट पश्चातापी हृदयक दृश्य थिक जे परमेश्वर के खोजब शुरुह कएने अछि। स्वर्गदूत, जे परमेश्वरक वचन अछि, हाथ में एक गोट एहन तलवार धेने अछि जे कोनो दूधारी तलवार सँ ज्यादे तेज थिक। ई जीवात्मा, मोट गांठ आओर गुदा सभ के बेधैत मनोभावना आ विचारक जाँच करैत अछि (इब्रानियों ४ : १२)। परमेश्वरक वचन ओकरा याद दियबैत अछि जे "पापक मजूरी मृत्यु अछि" आओर "एक बेर मनुषक मरब तथा ओकर बाद न्याय हएब नियुक्त कएल गेल अछि" (इब्रानियों ९ : २७)। सभ पापी आओर अविश्वासी सभक भाग आगिक झील में हेतैक जे आगि आ गंधक सँ जलैत छैक।

अपन दोसर हाथ में दूत एक गोट खोपड़ धेने छैक जे पापी के बतबै छैक जे सभ गोटे के मरब निश्चित अछि। आहि देहक लेल हमर प्रेम उमड़ल रहैत अछि। जकरा हम सुन्दर कपड़ा पहिरबैत छी, सुअबैत-पीअबैत छी, ओकरा पर वेश ध्यान दैत छी जाही स शारीरिक वासना आओर ओकर मांगक पूर्ति भऽ सकए। मुदा कहियो ने कहियो ई पार्थिव शरीर मरिक माटि भऽ जाएत जखनि कि हमर आत्मा आ जीवात्मा हर-हमेशा जिन्दा रहतैक।

अतए हम देखैत छी जे पापी परमेश्वरक वचनक संदेश पर ध्यान दैत अछि आ अपन हृदय के परमेश्वरक प्रेम दिसि फोलैत अछि। पवित्रात्मा ओकर पापी आ अन्हार हृदय में चमकए लागैत अछि। परमेश्वरक इजोत ओकर मन मन्दिर में घुसि सभरा अन्हार निकालि बहार कऽ दैत अछि। चित्र में पाप के कैक प्रकारक जानवरक रुप में देखायल गेल अछि, सभ के भागए पड़ैत छैक। तें प्रिय पाठकगण, यीशु मसीह जे अहि लोकक ज्योति थिक, अपना में अन्तर्निहित करु आ पापमय काज के छोड़ु। प्रभु यीशु कहने छथिन्ह, "लोकक हम ज्योति छी, जे हमरा संगे रहत ओकरा अन्हरिया नहिं भेटतैक परंच जीवनक ज्योति पौतैक" (यहून्ना ८ : १२)। चांद आ नक्षत्र सभ अन्हरिया राति में हमर किछु मदद कऽ सकैत अछि मुदा सूर्योदय भेलाक बाद अन्हार आ छोट छोट इजोत छिप जाइत छैक। तहिना प्रभु यीशु टा धर्मक सूर्य थिक जकर किरण सँ लोग सभ पापक अन्हरिया बहार भेलाक बाद स्वस्थ भऽ जाइत छैक।

एक बेर यीशु यरुसेलमक मन्दिर में गेलाह तऽ ओतए बैल, भेंड़ आ परेबा सभक व्यापारी के निकालि बहार कए देलथिन्ह आओर टका-पाई भजबए वाला के चौकी सभ के उनटाए देलथिन्ह आ कहलथिन्ह, "लिखल अछि जे हमर घर प्रार्थना-घर कहल जाएत परंच आहाँ सभ तऽ एकरा डकैतक खोह बनेने छी" (मत्ती २१ : १३)। आहाँक हृदय परमेश्वरक पवित्र मन्दिर आ बासक लेल बनाओल गेल अछि जाहि सँ परमेश्वर ओहि में बास कऽ सकैथ आओर अपन ज्योति, प्रेम आ आनन्द भरि सकैथ। "जौ पुत्र (यीशु) आहाँ के स्वतंत्र करैत छथि तऽ आहाँ अवश्ये पापक बन्धन सँ मुक्त भऽ स्वतंत्र भऽ जाएब" (यहून्ना ८ : ३६)।

(तेसर चित्र)

प्रस्तुत चित्र एक गोट सच्चा पश्चातापी पापी हृदयक दिशि इंगित करैत अछि। आब ओ डरसबबला कतेको पाप सँ घृणा करैत अछि जहि कारण यीशु क्रूस पर मारल गेलाह। जखनिए ओ क्रूस पर नजरि

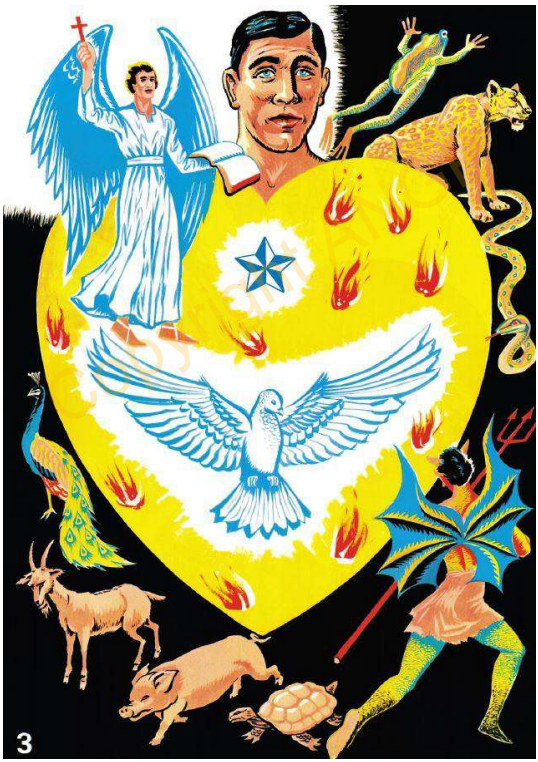

चित्र सं. ३—सच्चा पश्चातापी पापी मनुष्यक हृदय।

डारैत अछि, ओकरा परमेश्वरक वचन याद अबैत छैक तऽ ओ क्रूस ओकर हृदय के तार-तार करि दैत छैक फलस्वरूप अपन कएल पापक दिशि दुःखित, शोकित भऽ पश्चाताप करए लागैत अछि। जौखन ओ यीशु मसीह के परमेश्वरक बढ़ल प्रेम के प्रगट होति देखइत छैक ओकर हृदय पिघलए लागैत अछि। विशेष रूपें ई बुझि जे परमेश्वरक पुत्र यीशु ख्रीष्ट ओकर एतेक पैघ पाप सभ के हटाबए लेल आएल आ क्रूस पर मारल गेल, आ जाहि लेल ओकरा शाप पर्यन्त देल गेल।

ई सत्य घटना थिक जे यीशु के कोड़ा स पीटल गेल छलैक, कांटक ताज पहिरायल गेल रहैक निर्दयता पूर्वक हाथ-पैर में कील ठोकल गेल रहैक आओर ओ क्रूस पर हमर पापक कारणे मारल गेलैक। ई सभ घटना फजल रूप सँ ओहि पश्चातापी मनुष्यक हृदय पर प्रभाव डारैत अछि जाहि सँ ओकर हृदय आ जीवन परिवर्तित भए जाएत छैक। आओर अपना के ओ आइनाक प्रतिविम्बक रूपें देखि ओकरा धार्मिक पछतावा, विलाप तथा हर्षक अनुभव होइत छैक। "परमेश्वर क बालक यीशुक शोणित हमर सभ टा पाप धो दैत छैक" (१ यहून्ना १ : ७)। ई बुझि परमेश्वरक प्रेम आ शान्ति ओकर हृदय में प्रवेश करैछ आ अनुभव होअए लागैछ जे "यहोवा टूटल मन वला लोग सभक लग रहैत अछि आ दबाएल सभक उद्धार करैछ" (भजन ३४ : १८)। परमेश्वरक वचन आगु कहैत अछि जे हमर ओहि दिशि देखब जे दीन आ खेदित मनक हएत आ हमरा सँ डरैत हुअए (यशायाह ६६ : २)। पवित्रात्मा यीशुक मधुर बोल सुनबैत छैक जे "हे बालक (कन्या) धीरज धरु, आहाँक पाप क्षमा भेल"। जखनि कि ओ अखनि धरि मसीहक क्रूस दिशि टकटकी लगेने छल। सोचए लागैत अछि जे "यीशु हमर अपराधक कारणें घायल भेलाह आ हमरे पापक लेल कुचलल गेलाह किएक तऽ सभ पापक बोझ ओकरे पर लादल गेल" (यशायाह ५३)।

आब पवित्रात्मा आओर परमेश्वरक प्रेम क पूर्ण अधिकार भेला सँ ओकर हृदय शुद्ध भऽ चुकल छैक। ओ विश्वास पूर्वक यीशु आ क्रूस दिशि देखए लागैत छैक तऽ आभास होइत अछि जे ओकर सभ पाप क्षमा भऽ गेलैक आ दृढ़ विचार अबैत अछि "परमेश्वरक बालक यीशुक शोणित ओकर सभ पाप धो देने अछि।" यीशु में विश्वास रखला सँ ई निश्चित अछि जे ओकर नाश नहिं भऽ सकैछ अपितु अनन्त जीवनक भोग करत (यहून्ना ३ : १६)। पवित्रात्मा ओकर आत्मा के गवाही दैत छैक जे ओकर पाप क्षमा कएल जा चुकल अछि आ अनुग्रहक प्रभाव सँ ओ परमेश्वरक सन्तान बनि गेल अछि (रोमियों ८ : १६)। शारीरिक पापक पूर्ण अभिलाषा दिशि नहिं सोचि आब परमेश्वरक सेवा करबाक इच्छा प्रबल होइत अछि "जे पहिने हमरा सँ प्रेम कएलक"। तें संसार आ साँसारिक वस्तु सँ स्नेह नहिं राखैत आब ओ परमेश्वर आ ओकर प्रेम दिशि ध्यान दैत अछि।

अहि चित्र में पाप देखाबए वाला सभ जीव हृदय सँ बहार भऽ चुकल अछि। यद्यपि शैतान अपन पहिलुका निवास स्थान सँ नहिं जाए चाहैत अछि तें ओ पाछु दिशि घमि ई देखि रहल अछि जे ओ कहुना ओहि में पुनः प्रवेश पाबि सकए। अहि सँ यीशु सचेत करैत अछि जे हम जागल रही आ प्रार्थना करैत रही संगहि शैतानक सामना करी जे ओ हमरा स फराक भऽ जाए।

(चारिम चित्र)

प्रस्तुत चित्र ओहि मसीहीक थिक जे प्रभु आओर उद्धारकर्त्ता यीशु मसीह क बलिदानक दुआरे पूर्ण शान्ति आ छुटकारा पाबि चुकल अछि। आब ओ यीशु मसीहक क्रूस के छोड़ि, कोनो गपक प्रशंसा नहि करैत

अछि, वरन् देखैत अछि जे ओ लोकक नजरि में क्रूस पर चढ़ाएल गेल" (गलतियों ६ : १४)। यीशु क्रूस पर अहि कारण सँ मारल गेलाह जाहि सँ हम हुं "पापक लेल बलिदान दऽ धर्माचरणक लेल जीवन बिताबी" (१ पतरस २ : २४)। एक गोट मसीही लोकक इच्छा क विपरीत क्रूस पर चढ़ाएल गेल अछि आ हमरा लोगनि के आज्ञा देल गेल अछि जे "आत्माक अनुरुपें चली आ शारीरिक आवश्यकता के कोनो तरहें पूर्ण नहिं होमए दी" (गलतियों ५ : १६, २५)।

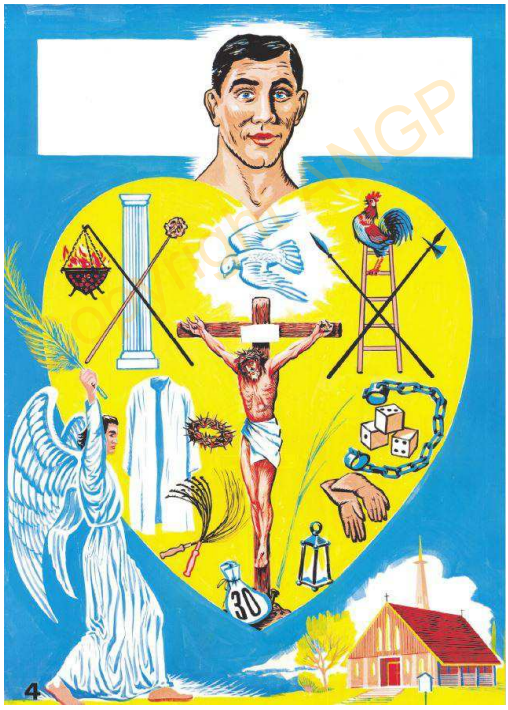

चित्र संख्या ४ — मसीहक संग क्रूस पर चढ़ाएल व्यक्ति।

अहि चित्र में ओहो खम्ह देखायल गेल अछि जाहि पर प्रभु यीशु के ओकर वस्त्र उतरवयलाक पश्चात् बान्हल गेल रहैक। संगहि ओ कोड़ा सेहो राखल अछि जहि सँ ओकरा निर्ममतारुपे पीटल गेल छलैक। "ओ हमर पाप आ अपराधक कारणें यातना सहलक जे ओकरा कोड़ा पड़ला सँ हम मानसिक रूपें स्वस्थ भऽ जाई" (याशायाह ५३ : ५)। हेरोदेशक लोग ओकर मखौल उड़ौलकैक, आ सोल्दक मुकुटक बदला में ओकरा कोड़ा सँ पीटि काँटक ताज माथ पर राखि दबौलकैक। तत्पश्चात् बादशाहक राजदण्डक बदले लोग सभ ओकर दहिन हाथ में सरकण्डा थमा ओकर मखौल उड़बैत कहलकैक "हे यहूदी सभक राजा, आहांक जए हो" आ ओहि सरकण्डा लऽ ओकर माथ पर पीटलकैक। अहि प्रकारें बड निर्लज्जता एवं निर्ममता सँ मखौल उड़ौलाक पश्चात् क्रूस पर चढ़बए लेल बहार ल गेलैक।

आई मसीहक अनेको नाम छैक जे गिरिजा घर में पूजा करैत छथि, परमेश्वरक स्मरण करैत छथि मुदा ओ अपन कुकर्मक कारणे बराबरि अपन उद्धारकर्त्ता प्रभु यीशु के दुःख दैत छथि आओर क्रूस पर पुनः चढ़बैत छैक। "तें हे प्रभु, हे प्रभु कहए वला हरेक स्वर्गक राज्य में नहिं जा सकैछ वरन् वैह जा सकैछ जे परमेश्वरक इच्छा अनुरूपे चलत" (मत्ती ७ : २१-२७)।

अहि चित्र में हम धनक एक गोट थैली सेहो देखि रहल छी जे यहूदा इस्कारियोतीक थिक। जाहि सँ ओ टाकाक लोभ में हृदय आ मोनक आँखि सँ आन्हर भए अपन प्रभु यीशु के ३० गोट चानि में बेचि देलक। ललटेम आ सिकड़ि यीशु के राति में पकड़ए लेल सिपाहि सभक उपयोगि में अएल। ओ सभ यीशु मँ सभ किछु छिनि लेलक आ धिक्कारक मुद्रा में कहलक "हम नहिं चाहैत छी जे ई मनुष्य हमर सभ पर राज करए"।

सभ ठाम मनुष्य जाति परमेश्वरक आशीर्वादक बड अपेक्षा रखैत अछि। सभ गोट बारिश, सूर्यक रोशनी आ बयार सामान्य रूपें पबैत अछि परंच जीवन पर्यन्त ओ परमेश्वरक शासनाधीन नहिं रहए चाहैत अछि। कैक गोट परमेश्वर के अहि दुआरे नीक बुझैत छैक जे ओ संकट आ दुःखक समय में मददि करैं छैक।

खञ्जर सँ सिपाही सभ यीशु के पाँजरि आ हृदय के छेदलक "आ ओहि में सँ शीघ्र शोणित आ पानि बहार भेल" (यहून्ना १९ : ३३-३७)। मुर्गाक बांग देबए सँ पहिने पतरस यीशु के तीन बेर नकारलकैक मुदा बाद में जोर सँ विलाप करि पश्चाताप कएलक। यीशु कहलथीन्ह "जे क्यो मनुषक समक्ष हमर मान करत, ओकरा हमहुँ अपन पिताक समक्ष मानब। परंच जे मनुष्यक समक्ष हमर इन्कार करत तकरा हमहुँ अपन स्वर्गीय पिताक समक्ष इन्कार करब" (मत्ती १० : ३२-३३)। यीशु सेहो कहने छथि "जे अपन क्रूस लए हमर पाछु नहिं चलत ओ हमर योग्य नहिं थिक" (मत्ती १० : ३८)।

(पाँचम चित्र)

ई ओहि पापी मनुष्यक परिवर्तित आ पवित्र हृदयक चित्र अछि जहि खन ओ परमेश्वरक कृपा आ दयाक बेसी भेला पर बचायल गेल अछि। आब ई परमेश्वरक साँच मन्दिर अछि आ अहि में परमेश्वर पिता, पुत्र आ पवित्रात्मा बास करए लगैत अछि, जहिना यीशु प्रतिज्ञा केने रहथि जे "जौं क्यों हमरा सँ प्रेम राखत आ हमर वचन मानत आ हमर पिता ओकरा सँ प्रेम रखतैक तऽ हम ओकरा लग आएब आ ओकरा संगहि बास करब" (यहून्ना १४ : २३)। परमेश्वर यीशु मसीहक रूप में गरीबक आदर करैछ, आशीष दैत छैक आ ओकरा उपर उठबै छैक" (लूका १ : ५२)।

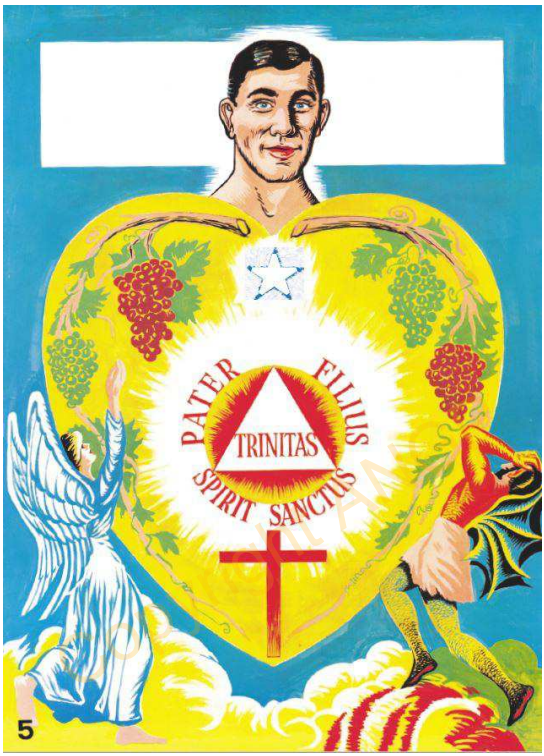

चित्र सं० ५—परमेश्वरक मन्दिर रूप में पापी मनुष्यक परिवर्तित हृदय ।

आब ई हृदय परमेश्वरक साँच मन्दिर बनि चुकल अछि। पाप ओकर हृदय सँ बहार कएल जा चुकल अछि। शैतान जे मिथ्याक पिता थिक, ओकरा सँ प्रभावित विभिन्न जीव-जन्तु क स्थान पर आब हम पवित्रात्मा आओर सत्यात्मा के ओकर हृदय में वास करैत आ राज्य करैत देखि रहल छी ।

पापक धूमित बास-स्थलक स्थान पर आब ओकर हृदय सुनरि फल देवए वाला बागक जकां बनि गेल थिक जाहि में आत्मा फलक रूप में प्रेम आनन्द, मेल, धैर्य, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, संयम आ दीनता आदि फल लगैत छैक जे परमेश्वर आओर मनुष दुनु गोट के नीक लगैछ। आब ओ यीशु मसीहक फल देवए वला डारि बनि जाइत अछि। ओहि में आत्माफल उत्पन्न होमए वला भेद अहि में थिक जे ओ मसीह में आओर मसीह आ ओकर वचन ओहि में बनल रहैछ (यहून्ना १५ : १-१०)। आब जखनि ओ पवित्रात्मा सँ भरल अछि आ ओकर अनुग्रह भेटल अछि, एहन में आत्मा तृप्त होइत छैक जे ओ शरीर आ ओकर चाह भरल वासना पर विजय पावैत अछि आ अपन पुरान मनुष्यत्व के क्रूस पर चढ़बैत अछि।

पवित्रात्माक शक्ति सँ ओ आत्माक अनुसारे चलि शरीर क इच्छा पर विजय पावैत अछि। आब ओ देखब, सुनब आ सोचब अनुरूपे नहिं वरन् विश्वास सँ जीवित रहैत अछि किएक तऽ यीशु मसीह पर विश्वास केनाइ टा लोक-विजय अछि। ओ अनन्त काल धरि अहि आशा पर परमेश्वरक प्रेम सँ ओत-प्रोत भऽ जीवैत अछि जे ओ अपन प्रभु यीशु मसीह क महिमा के पुनः देखतैक।

"ओ सभ धन्य छथिन्ह जनिक मोन शुद्ध छैन्ह, किएक तऽ ओ परमेश्वर के देखथिन्ह" (मत्ती ५ : ८)। दाउद राजा, अपन सभ धन-सम्पत्ति आ बाहरी शत्रुक उपर विजीत पवितो ओ अहि गप के नीक जकां बुझैत छल जे सभ सं पैघ युद्ध ओकर हृदय में लड़ल जा रहल अछि। तें ओ अपन अन्तः आवश्यकताक बुझैत ई प्रार्थना करैत छैक जे, "हे परमेश्वर हमर अन्दर शुद्ध मोन उत्पन्न करू, आ हमर अन्दर स्थिर आत्मा के नव शिरा सँ प्रतिस्थापित करू" (भजन संहिता ५१ : १०)। दाउद

जेना पश्चातापी हृदय सँ परमेश्वरक याचना केलक तकरा छोड़ि के ओ अहि योग्य नहिं अछि जे ओ अपन मोन के शुद्ध करि सकए। परमेश्वर सोचैत अछि जे मनुषक धर्माचरण मैल फाटल लत्ता जकां थिक ओ हमर हृदय में परमेश्वरक बास स्थल नहिं बना सकैछ।

परमेश्वर आहांक मददि करए लेल तैयार अछि किएक तऽ ओ प्रतिज्ञा (शपथ) नेने छथिन्ह जे "हम आहाँ सभ पर जल छिटब तऽ आहाँ शुद्ध भऽ जाएब आ आहांके अहींक सभ गोट अशुद्धता आ मूरत सँ शुद्ध करब। आहांक देह सँ पाथरक हृदय निकालि माउसक हृदय देब। आ हम अपन आत्मा आहांक भीतर डारि एहन करब जे आहाँ हमर विधि पर चलब आ हमर नियम सभ के मानि ओहि अनुसारे करब" (यहेज्केल ३६ : २५, २७)

अहि चित्र में हम देखैत छी जे एक गोट स्वर्गदूत पुनः प्रकट भए रहल अछि जकरा ओ लोग सभक सेवा क हेतु नियुक्त कएल गेल अछि जे अनन्त जीवन पाबय वला वारिस हेताह। किएक तऽ "यहोवाक डरबय वला सभक चारू दिशि दूत छावनी बनेने रहैछ आ ओकरा सभके बचेने रहैत अछि" (भजन संहिता ३४ : ७; ९१ : ११; दानिएल ६ : २२; मत्ती २ : १३; प्रेरित ५ : १९; १२ : ७-१०)।

अहि चित्र में शैतान सेहो ठाड़ भेल दिखायल गेल अछि जे मनुष्यक हृदयक लग ठाड़ भऽ मौका ताइक रहल अछि जे पुनः अपन पुरान बास स्थल पर चलि जाई। ताहि सँ हमरा आज्ञा देल गेल अछि जे जागल रहू आ अपन विरोधी सिंह सनक गरजनिहार शैतान सँ बचबाक लेल प्रार्थना करैत रही" (१ पतरस ५ : ८)। एहनो होइछ जे शैतान इजोतक दूतक रूप धरि पवित्र लोग आ भक्त जे प्रार्थना में लीन छथि हुनक लग आबि वासना आ लौकिक इच्छा सँ बहकाबैत अछि आ अपन धूर्तता सँ सभ के सेहो धोखा देबाक प्रयास करैछ। तें जौं हम शैतान क मुकाबिला करि तऽ ओ दूर भागत" (याकूब ४ : ७)।

(छठम् चित्र)

ई चित्र पाछु हटए वाला मनुष्यक दु खित तस्बीर अछि। ओकर आँखि बंद होमए लागैत अछि जे ज्योतक अछि जे आब ओ ठण्डा हएब शुरूह भऽ गेल अछि। ओ मसीहो जीवन सँ विरत भए सुति रहल अछि जखनि कि ओकर दोसर आँख लौकिक प्रेम-वासना क लेल निर्लज्जता सँ चारू दिशि ताकि रहल अछि। परीक्षा सँ घिरल ओ सामना नहिं करि ओहि में खसल आ फंसैत जा रहल अछि।

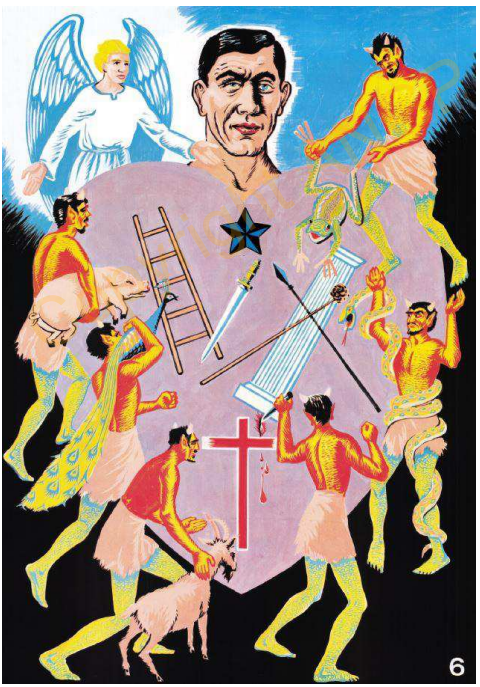

चित्र सं० ६ -- परीक्षित आ खंडित हृदय।

परमेश्वरक मधुर-वाणी नहिं सुनि ओ आब शैतान आओर ओकर मिथ्या शपथ दिशि ध्यान देवय लागल अछि। यद्यपि आबो ओ रवि दिनक प्रार्थनाक लेल गिरिजा घर अबैत अछि आ धर्मक खोह में ओ अपन लौकिक इच्छा सभ के छुपाक घेने रहैछ मुदा परमेश्वरक प्रेम ओकर हृदय में ठंडा भए गेल अछि। ओ परमेश्वर सँ प्रेमक ढोंग रचैत अछि आ ओकरा लेल क्रूस एक गोट भारी बोझ सनक भए चुकल अछि जकरा ओ हँसिक नहिं उठबैत अछि। ओकर विश्वास डोलए लागल अछि आ प्रार्थना सँ परमेश्वरक सत्संग आ गप बंद भऽ गेल अछि। ओ अपन हृदय सँ ढहलेल भऽ हृदय में शैतानक लेल स्थान बनाए रहल अछि।

मयूरक आत्मा जे गर्वक प्रतीक थिक आब ओकर हृदय में प्रवेश करए लेल प्रयत्नशील अछि। ओ अहि गप के बिसरि जाइत छैक जे ओकरा अनुग्रह सँ बचायल गेल छल आ आब ओ घमण्डी मसीही बनि चुकल अछि। शराबी ओकर हृदयक दुआरि पर ठोकैत आ प्रवेश करए चाहैत अछि। शैतान ओकरा बुझबै छैक जे कोनो विशेष अवसरि में लौकिक संगति सँ ओकर आत्मिक जीवन नहिं बिगड़तैक। लौकिक विचार आ वासना आब ओकरा बुझि पड़ैछ। आब ओ गन्दा माखौल, अश्लील चित्र, अनैतिक कार्य, नाच-रंग आदि तरहक मनोरंजन सँ प्रेम करए लगैत अछि।

ई सत्य थिक जे शैतानिक चिढ़ई सभ के अपन माथक उपर उड़ए सँ हम नहिं रोकि सकैत छी मुदा जौं हम ओकरा अपन उपर बैसए दी वा अपन हृदय में कुकर्म करए लेल बास दी तऽ अकर दोषी तऽ हमहीं हएब। जौं हम शैतानक दिशि अपन एक गोट आंगुर बढ़ाएब तऽ ओ हमर सम्पूर्ण हाथ के पकड़ि लेत आ हमर प्राण-आत्मा के अनन्त काल में लए जाएत। तें हम परमेश्वरक अहि चेतावनि दिशि ध्यान दी जे हम यौवनक इच्छा

सँ बिलग रही आ पाप संग नहिं खेली किंवा ओ कोनोहिं रूप में किएक नहिं आवए। तखनि हम यीशु मसीह लग आबि किएक तऽ ओहि में हमर छुटकारा आ विजय थिक।

अहि चित्र में इहो दिखाएल गेल अछि जे एक गोट मनुष हृदय में चाकू मारि रहल अछि जे मसीही धर्मक विरोधी आ मखौल उड़बए वाला के बतबैत छैक। एहन ओ अपन कपटी जीभ आ मखौल करए वला ठोर सं करैत अछि आ मसीहीक हृदय के घायल आ खंडित करैत अछि जाहि सँ फूट पड़ि बिलग भऽ जाए आ समाप्त भऽ जाए। ओ परमेश्वर के नहिं मानि मनुष सँ डरए लागैत अछि फलस्वरूप परमेश्वर सँ दूर भऽ ओ मनुष्यक गुलाम बनि जाइछ। डाह राखए वला ओ कारी साँप एहन समय में प्रवेश करैत अछि जखनि ओ दोसर के खुश आ सफल होति देखत छैक।

पाईक लोभ हृदय में आएब बड आसान अछि तें प्रभु यीशु चेतावनी दैत कहने छथि "जागैत रहू आ प्रार्थना करैत रहू जे आहाँ परीक्षा में नहिं पड़ी" (मत्ती १६ : ४१)। "तें जे बुझैत अछि जे हम स्थिर छी तऽ ओ सतर्क रहए जे कतहु खसि नहिं पड़ए" (१ कुरि० १०-१२)। हमरा सभ के परमेश्वरक सम्पूर्ण हथियार बान्हि लेबाक अछि जे शैतानक युक्ति सभ सँ मुकाबिलाक लेल ठाड़ भऽ सकी (इफिसियों ६ : ११-१८)।

(सातम चित्र)

प्रस्तुत चित्र मनुष्यक पाछु दिशि फिसलल दशा के बतबैत छैक। जाहि में कोनो समय ओ परमेश्वरक पुत्र यीशु मसीह सँ मुक्तिक सम्बन्ध में बुझैत छल आ स्वर्गीय वरदान सभक स्वाद पौने रहैक आ पवित्रात्माक संग रहैत छल परंच आब ओ पतित भए गेल अछि। ई ओहि मनुष्यक

हृदयक दशा के इंगित करैछ अछि जे परमेश्वरक सन्देश सुनलक मुदा नें तऽ ओ अपना के परमेश्वरक समक्ष अर्पण कएलक आ नें पापक प्रायश्चित्त कएलक। परमेश्वरक निवेदन पर जौं केओ नम्रता नहिं दिखाबी अपन हृदय के कठोर बनाए लैत अछि तऽ सुधारक लेल कतबो प्रयास कएल जाए ओ संभव नहिं हेतैक ।

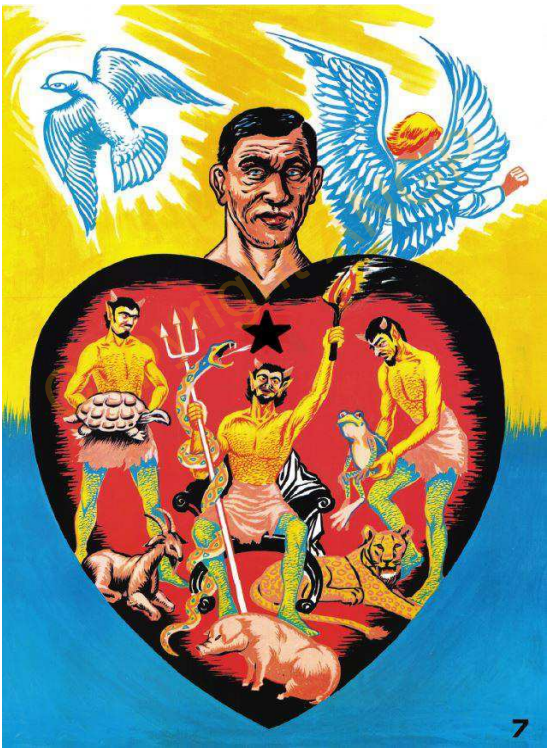

चित्र सं० ७ -- फिसलल आ कठोर बनल हृदय

पाछु फिसलए बलाक दशाक वर्णन करैत यीशु अपनहिं कहने छथि जे, "जखनि अशुद्ध आत्मा मनुष्य सँ बहार भऽ जाइछ तऽ ओ विश्रामक लेल सुखाएल स्थान ताकए लगैत अछि आ नहि पाबि ओ कहैछ जे हम अपन ओहि वास स्थान पर चलि जाएब जतए सँ बहार भेल रही। ओकर पश्चात् ओ अपनो सँ खराप सात गोट आत्मा सभ के अपन संग लऽ अबैछ आ ओहि में बैसि बास करए लगैछ, तखनि ओहि मनुष्यक पछुलका दशा पहिनों सँ खराप भए जाइछ" (लूका ११ : २४-२६)

"ओकरा सभपर ई कहबी सटीक बैसैत अछि, जे कुक्कुर जतए सँ दुत्कारल गेल अछि आ धोअल साफ कएल सूअरनि कादो में लोटए लेल पुनः चलि जाइछ" (२ पतरस २ : २२) ।

बाइबल धर्मशास्त्रक ई टिप्पणि फिसलल वा पश्चाताप रहित पापी मनुष्यक हृदयक दशा के साफ साफ बुझौने अछि। अतए पाप अपन सम्पूर्ण ठगविद्याक स संग हृदय में वास करए आ राज्य करए लेल आबि गेल अछि। एतेक धरि जे ओकरा चेहरा सेहो हृदयक दशा बतबैत छैक। पवित्रात्मा आ ओहि नम्र परेबा तक के सेहो लाचार भए ओहि हृदय के छोड़ए पड़ल किएक तऽ पाप आ पवित्रात्मा एक संग नहि रहि सकैछ। ई असम्भव अछि जे हृदय परमेश्वरक मन्दिर आ संगहि शैतानक खोह दुनु बनल रहए। स्वर्गदूत सेहो उदास भए हृदय के छोड़ि दैत छैक तैयो ओ अहि आशा क संग पाछु देखैत अछि जे आबो ओ प्रायश्चित करए आ परमेश्वरक शरण में आबि कहए जे हम स्वर्गक विरोध में आहांक नजरि में पाप कयलहुँ। आब अहि जोगरक नहि जे आहांक पुत्र कहाबी, हमरा अपन एकगोट मजूरक रूपें राखि लिअ" (लूका १५ १८)। परमेश्वर अपन पुत्र के पश्चातापी जानि ओकरा क्षमा कएलन्हि आ पुन. अपन घर में बहाल कए लेलन्हि ।

Copyright ANGP

अहि चित्र के देखबा में ई बुझि पड़ैछ जे ओकर हृदय में कोनो साँच पछतावा नहिं थिक आ ने ओकर इच्छा परमेश्वर दिशि जेबाक छैक। ओकर विवेक घीपल लोहा सँ दागल जेना अछि जे कान अछैतो ओ यीशुक विनम्र आ मधुर बोल नहिं सुनि पबैत अछि। आँखि रहैत ओ नरकक अथाह खाई के नहिं देखि रहल अछि। ओकरा आब पाप में डूबलो उतर कोनो लाज नहिं होइत छैक। "किएक तऽ ओकर हृदयक सिंहासन पर शैतान राजा जकां बैसि राज्य करि रहल अछि। ई सम्भव अछि जे ओ एना आदरणीय भलमानुष लगैत हुअए आ धर्माचरण आ भक्ति सेहो देखबैत हुअए मुदा ओ तऽ चून पोतल कब्रक जकाँ अछि जे उपर सँ देखबा में तऽ सुनरि लगैछ मुदा अन्दर मुर्दा सभक अस्थि आ सभ प्रकारक मायूसी रहैछ" (मत्ती २३ : २७)।

अहि रूपें मिथ्याक अग्रणी शैतान सत्यात्मा यीशु मसीहक स्थान पर जमि गेल अछि। प्रत्येक पशु पाप के बतबै छैक जे विशेष दुष्टात्माक संग ओकर हृदय में घुसि गेल अछि। यद्यपि ओ अपना के अहि खराप सतबए वला दुष्टात्मा सँ मुक्त होमए चाहैत अछि मुदा आब ओ सभ ओकरा एना ने बन्हने छैक जे छुटकारा पाएब कठिन अछि। जखनि कि मूसाक व्यवस्था के नहिं मननिहार दु-तीन गोट के गवाही रहितो बिन दया के मारि डालल गेलाह। तऽ सोचि सकैत छी जे ओ आर कतेक पैघ दण्डक योग्य हेताह जे परमेश्वरक पुत्र के पैर सँ कुचलकैक आ अनुग्रहक आत्मा के अपमान कयलक संगहि ओहि लहू के अपवित्र मानलक जकरा सँ ओ पवित्र कएल गेल छल (इब्रानियों १० : २८, २९, २ पतरस १ : १४)।

प्रिय दोस्त, जौं चित्र आहांक हृदय सँ मेल खाइत हुअए, तऽ विलम्ब नहिं करू आ परमेश्वर के बजाऊ आ अपन अन्तर्हृदय सँ हुनक गुण गाऊ। "ओ (यीशु) ओकर सम्पूर्ण उद्धार कए सकैछ किएक तऽ ओ ओकरा लेल

आजन्म विनति करतैंक"। साँच पश्चातापीक पाप के परमेश्वर क्षमादान दैत छैंक। ओ शैतान आ ओकर अन्हरिया सेना सभ के बान्हि सकैंछ आ ओकरा आहांक हृदय सँ निकालि बहार करि सकैंछ जौं आहाँ ओकरा अपन हृदय में आबए दी आ चाहैत होइ जे ओ आहाँक लेल काज करए। ओहिना जेना एक गोट कोढ़ी मनुष यीशु सं कहलक, "हे प्रभु जौं आहाँ चाही तऽ हमरा शुद्ध करि सकैत छी"। यीशु कहलथिन्ह, "हम चाहैत छी जे आहाँ शुद्ध भऽ जाऊ" आ ओकर कोढ़ तुरन्त खत्म भऽ गेलैंक आर ओ शुद्ध भऽ गेल" (मरकुस १ : ४०, ४१, ४२)। मुदा जौं आहाँ अपन हृदय के कठोर राखब आ इजोतक स्थान पर अन्हार सँ प्रेम राखब तऽ आहाँ के कोनो सहायता नहिं भेटि सकैंछ आ आहां बचि नहिं सकैत छी। किएक तऽ आहाँ अपनहि ओकरा चुनने छी। "पापक मजूरी मृत्यु थिक" (रोमियो ६ : २३)।

(आठम चित्र)

ई चित्र में हम ओहि टालमटोल करए वला आ कठोर पापी के मृत्युक लग पहुँचैत देखि रहल छी, ओकर सम्पूर्ण देह दर्द सं आओर आत्मा मृत्यु क डरि सँ भरल अछि। मृत्यु जे कंकालक रूप में अछि, औचक आ कुसमय आबि गेल अछि। पापरत रहि खेलाबएक थोड़ेक समयक सुख एक धोखा छल जे चलि गेल। नरकक पीड़ा सभ ओकरा पर पैर जमबए लागल अछि, ओ प्रार्थना तऽ करए चाहैत अछि मुदा परमेश्वरक प्रेम दिशि बड दिन सँ उदासीन रहबा क कारणे ओ परमेश्वरक संग वार्तालाप नहिं करि पबैत अछि। कुकर्म आ अन्याय पूर्वक अर्जल सम्पत्ति नें तऽ ओकर जीवन के बढ़ा सकैत अछि आ नें ओकर आत्मा आ प्राणक रक्षा करि सकैंछ। शैतान ओकरा परमेश्वरक गप दिशि ध्यान देवए सँ रोकैत अछि।

चित्र सं० ८— दंड भोगथ बला पापी

आब सभ चीज जकरा सँ ओकरा प्रेम रहैक आओर जकरा लेल ओ जिलक आब लगैछ जे ओ सभ ओकर मलौल उड़ाए रहल अछि। एते धरि जे आब ओकर गुरू पादरी सेहो, परमेश्वरक अनुग्रह के ठुकराए आ परमेश्वरक आज्ञा क दोषी ठहरएला क कारणें, असहाय अछि। आब ओ बुझए लागैछ जे जिबैत, "परमेश्वरक हाथ में पड़ब भयानक गप अछि" (इब्रानियों १० : ३१)। ओ अहि आशा में छल जे कहियो उपयुक्त समय

देखि मृत्यु-शय्या पर, परमेश्वरक संग मेल-जोल कए लेत, मुदा आब ओ बुझए लागल अछि जे बड विलम्ब भऽ चुकलि अछि आ किछु संभव नहिं। ओकरा परमेश्वर के ढूंढ़वाक समय नहिं रहि जाइछ। तैं परमेश्वर के अहि समय सँ ताकब आवश्यक अछि जखनि कि ओ भेंट सकैत अछि। परमेश्वरक बचनक स्थान पर आब ओ मरैत पापी मनुष न्यायकर्त्ताक आदेश क सुनैत अछि जे, "हे शापित लोग सभ हमरा समक्ष सँ ओहि अनन्त आगि में चलि जाऊ, जे शैतान आ ओकर दूत सभक लेल तैयार कएल गेल छैक" (मत्ती २५ : ४१)। किएक तऽ "मनुषक लेल गोटेक बेर मुइल आ तत्पश्चात् न्यायक हएब नियुक्त कएल गेल अछि" (इब्रानियों ९ : २७)।

(नवम् चित्र)

प्रस्तुत चित्र एक गोट एहन मसीहीक दशाक वर्णन करैत छैक जे कठिन जाँच आ परीक्षा में सँ विजय पावि चमकैत निकलल अछि। जखनि कि चारू दिशि ओ परीक्षा सभ सँ घिरल छलैक, ओ सभ तरि स्थिर बनल रहल आ अन्त धरि सहलक आ यीशु मसीहक प्रभाव सं जयवन्तो सँ बढ़िक निकलल। ओ सिर्फ मसीही दौड़ टा में प्रवेश नहिं करैछ अपितु ओ धैर्य सेहो धेने रहैछ। ओ दायाँ-बामा केम्हरो किछु नहिं देखैछ मुदा, "विश्वासक कर्त्ता आ सिद्धि देवए वला यीशु दिशि ताकैत रहैत अछि" (इब्रानियों १२ : २)।

शैतान अपन सभटा अन्हरिया सेनाक संग मसीहीक विश्वासीक चारू दिशि घेरि रखबाक बेकार कोशिश करैत अछि जे ओकरा सभ के अपना दिशि अगवा करि खसा दी। गर्व, टाका (सम्पति) सभक लोभ, अनैतिक कार्यक दुष्टात्मा आ अहि प्रकारक कैक टा आरो पाप अतेए देखायल गेल

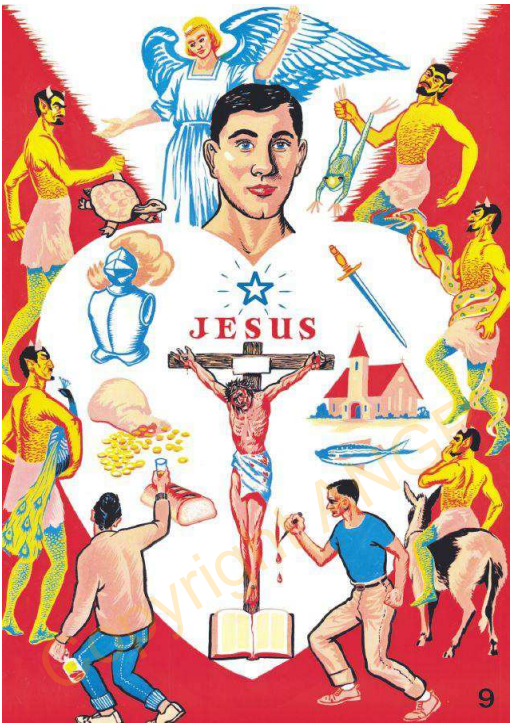

चित्र संख्या ९ — विजय होमए वला हृदय

अछि। चीताक स्थान पर आब हम एकगोट गधा के देखि रहल छी, किएक तऽ पाप हमरा लग भिन्न भिन्न रूप धरि आ विभिन्न नामक संग अबैत छैक। पाप कखनो धर्मक आड़ि में धर्म भऽ तऽ कौखन इजोतक स्वर्गदूतक आड़ि में प्रकट होइत छैका। मुदा सचेत जागल आ सतर्क मसीहीए टा ओकरा अनुभव करि सकैछ। किएक तऽ परमेश्वरक वचन आ ओकर सत्यात्मा सत्यक मार्ग में ओकरा राह देखबैत छैक। चित्र में एकगोट मनुष हाथ में मदिराक बोतल आ गिलास लए, अहि मसीहीक

चारू दिशि नाचि ओकरा लौकिक वासना आ थोड़ेक कालक सुखक परीक्षा में फाँसि खसेबाक कोशिश करि रहल थिक। मुदा परमेश्वर के अर्पित मसीही पर ओकर किछु प्रभाव नहिं पड़ैछ किएक तऽ ओ अपना के यीशु ख्रीष्टक संग पाप आ लौकिक कुकर्म सभ के क्रूश पर चढ़ा चुकल अछि।

अहि चित्र में दोसर मनुष एक गोट मसीही के अपन खञ्जर सँ बेधि रहल अछि। कुचेष्टा करब आ बाजब, चुगलखोरि, निन्दा आ मखौल करब तथा ख्रुष्टी-विरोधी कार्यक प्रयास सँ सत्यपूर्ण मसीही के डेराएब-धमकाएब आदि ओकर हृदय में ओहि खञ्जर सँ बेधए जकाँ थिक। ओ एकर विषय में नहिं सोचि परमेश्वर दिशि अपन ध्यान राखने रहैछ। ओ हमेशा रहैछ। यीशु कहलथिन्ह, "आहाँ धन्य छी, जखन मनुष हमरा कारण आहाँक निन्दा करैछ आ सतबैत अछि आ मिथ्या आचरण सँ आहाँक गन्दा गप सभ कहि विरोध करैछ तऽ आहाँ आनन्दित भए हमरा में लीन रहब किएक तऽ आहाँक लेल स्वर्ग में बड पैघ उपहार अछि" (मत्ती ५ : ११, १२)।

स्वार्थ आ शैतान सदिखन अहि प्रयास में रहैछ जे ओहि मसीही के परमेश्वरक प्रेम सँ विलग करि। मुदा बड आनन्दित आ पूर्ण भरोसक संग ओ वास्तव में कहि सकैत अछि जे, "हमरा परमेश्वरक प्रेम सँ के विलग करि सकैत अछि? कि क्लेश, उत्पात, सुखाड़ि, कुकर्म, खतरा वा खञ्जर, तरूआरि आदि। परंच अहि सभ में हम जयवन्तो सँ बढ़िक छी जे ओकरा दुआरे हमरा सँ प्रेम कएलक" (रोमियों ८ : ३५, ३७)

परमेश्वरक सभ हथियार पहिरलाक बाद ओ दुष्टक आ खराप दिनक मुकाबिला करए लेल तैयार अछि, आ यीशु मसीहक प्रभाव सँ ओ सभ परीक्षा में विजय पावैत अछि, किएक तऽ मसीह यीशु सेहो सभ परीक्षा में विजीत भेलाह।

नक्षत्र (तारा) जे ओकर विवेक थिक ओ स्वच्छ, निर्मल आ चमकए वाला अछि। ओकर हृदय विश्वास आ पवित्रात्मा सँ भरल अछि। स्वर्गदूत ओकरा ओहि बहुमूल्य शपथ सभक याद दिअबैत अछि जे ओकरा देल जाइत छैक आ अन्त धरि ओ धैर्य राखने रहैछ।

"जे विजेता होइत अछि, ओकरा दोसर मृत्यु सँ कोनो हानि नहि पहुँचतैक"।

जे विजय पौतैक ओकरा गुप्त खजाना सँ एक गोट नाम लिखल उजर पाथर देल जेतैक जकरा पावए वला के छोड़ि आन क्यो नहि बुझतैक। आत्मा फेर कहैछ जे हमर काजक अनुरूपें अन्त धरि करैत रहतैक ओकरा भिन्न भिन्न जातिक लोग सभ पर अधिकार देल जेतैक। ओकरा उजर वस्त्र पहिराएल जौतैक आ ओकर नाँव जीवनक पुस्तक सँ कोनो विधि नहि काटल जेतैक परंच ओकर नाँव अपन पिता आ स्वर्गदूतक समक्ष मानि लेब। ओकरा अपन परमेश्वरक मन्दिर में एक गोट खम्हक रूप में राखब जे बहार नहि हेतैक। ओकरा अपन संग सिंहासन पर बैसेबैक, जहिना हम विजय पावि अपन पिताक संग ओहि सिंहासन पर विराजलहुँ, (प्रकाशित वाक्य २ : ७, ११, १७, २६; ३ : ५, १२, २१)

पाईक खुजल झोरि अहि बात के प्रगट करैछ जे ने सिर्फ ओकर हृदय वरन् ओकर पाइ सेहो परमेश्वर के अर्पण कएल गेल अछि। अपन सम्पत्ति के ओ अपन स्वार्थ में नहि खर्च करि ओ दीन-हीन सभक मददि करैछ। अपन भेंट आ भेटए वला अंश ओ परमेश्वरक महिमा क उपयोगक लेल दऽ दैत अछि।

सोहारि आ माछ अहि गपक द्योतक अछि जे ओ शुद्ध, पवित्र आ संयमी जीवन जिवए वला अछि। ओ मद्यपान, शोणित मिश्रित भोज्य

पदार्थ, (गला) गर्दनि घोंटल माउस वा दोसर कोनो प्रकारक अशुद्ध भोजन सँ ओ आप अपवित्र नहिं होमए चाहैत अछि। ओ अपन धन-सम्पत्ति के बरबाद नहिं करैछ आ नें अपन देह के खराप लत वा मद्यपान आदि सँ बर्बाद करैछ किएक तऽ ओ बुझैत अछि जे ओकर देह जीवित परमेश्वरक मन्दिर छैक। ओ पान-तमाखू, नशीला दवाई सभ आ मद्यपान लए मतवाला हुअए क स्थान पर सन्तुलित, शुद्ध आ स्वास्थ्य बढ़बए वला भोजन करैछ। ओकर हृदय परमेश्वर सँ प्रार्थना करए वाला स्थल बनि गेल अछि। ओ प्रार्थनाक लेल सदिखन रवि दिन गिरिजाघर जाइत छैक। ओ प्रार्थना सभा में जाएब पसिन करैं छैक आ अपनो ओ एकान्त पावि परमेश्वर सँ संगति रखैत अछि। किएक तऽ ओकर अपन हृदय परमेश्वरक मन्दिर बनि गेल छैक।

खुजल पुस्तक अहि विषय दिशि आकृष्ट करैछ जे बाइबल धर्म-शास्त्र ओकरा लेल एक गोट फूजल पुस्तक अछि जकरा ओ प्रतिदिन पढैत छैक जाहि सँ ओ बुद्धि, विवेक, सामर्थ, जीवन, प्रकाश आ नहिं समाप्त होमए वला धन अर्जित करैत छैक। वचन आब ओकर पैरक दिया, राहक लेल इजोत आ एक गोट तरुआरि सनक भऽ गेल अछि जाहि स ओ शत्रुक सामना करैछ आ विजयी होइ छैक। ओ ओकरा लेल रोजक आत्मिक भोजन थिक आ जीवनक पाइन जे ओकर आत्मिक भूख-प्यास के तृप्त करैत छैक।

ओकरा आब अपन क्रूस के उठाए मसीह यीशुक पाछु चलए में लाज नहिं अबैत छैक वरन् बड प्रेम आ विनम्रता क संग अपन प्रभुक पद-चिन्ह सभक अनुशरण करैछ किएक तऽ ओ बुझैत छैक जे बिन क्रूसक वा बिन पिड़ा मुकुटक प्राप्ति संभव नहिं। इहो बुझैत छैक जे मसीहक संग ओकरा जीवन देल गेल अछि तें एहन स्वर्गीय चीज सभक तलाश में रहैत छैक जे

अनन्त काल धरि बनल रहए। लौकिक चीज सभक दिशि सँ ओकर रूचि खत्म भए जाइछ। ओ परमेश्वर में लीन होमए लेल तैयार अछि। ओ पाइनक लग लगाएल ओहि वृक्ष जकां थिक जे मौसम आएला पश्चात् फल दैत छैक। ओकर हृदय पवित्रात्मा सँ देल परमेश्वरक सिद्ध प्रेम सँ ओत-प्रोत अछि तें ओ ई सोचि भयभीत नहिं होइछ जे ओकरा मुइबाक अछि।

(दशम चित्र)

प्रभु यीशु कहलथिन्ह अछि, "पुन उठाएब आ जीवन सेहो हमहि छी, जे हमरा उपर विश्वास करतैक ओ मुइलो उपरान्त जीवित रहत। आ जे जिवैछ ओ हमरा पर विश्वास रखैछ, ओ अनन्त काल धरि नहिं मरि सकैछ" (यहून्ना ११ : २५-२६)।

"हम आहाँ सँ सत्य कहैत छी, जे हमर वचन सुनि हमर पठायल सँ प्रेम राखैत अछि, ओकर जीवन अनन्त थिक, आ ओकरा पर दंडक आज्ञा नहिं होइछ, मुदा ओ मुइलाक पश्चात् जीवन में प्रवेश करि चुकल अछि" (यहून्ना ५ : २४)।

मसीही सभ के मुइबाक कोनों भय नहिं रहैछ किएक तऽ परमेश्वर वचन ओकर हृदय में गवाही दैत छैक जे, "ई माटि में मिलए वाला देह अविनाशी कवच पहिरत, आ मुइनिहार अमरता के पहिर लेत, तखनि ओ जे वचन लिखल छैक से पूर्ण भऽ जेतैक जे मृत्यु के विजय निगलि लेलकैक। हे मृत्यु आहांक विजय कतए रहल? हे मृत्यु आहांक डंक कि भेल? मृत्यु क डंक पाप अछि आ पापक ताकत व्यवस्था। मुदा परमेश्वरक धन्यवाद दी जे हमर प्रभु यीशु मसीहक प्रभाव सँ विजय भेलहुँ" (१ कुरिन्थियों १५ : ५४-५७)।

ओ व्यक्ति जे परमेश्वरक संग जीवैत आ चरैत अछि मुइला सँ कखनो नहिं डरैछ। अहि लोक सँ विदा होमए काल ओ सहर्ष जाइछ जेना कि पौलुस प्रेरित कहैछ, इच्छा होइछ जे हम विदा भए मसीहक लग जा रहल छी, किएक तऽ ई बड नीक अछि" (फिलिप्पियों १ : २३)।

चित्र सं० १० — महिमामय पूर्ण स्वर्ग दिशि विदा भेनाई।

एक गोट मसीही अपन प्रभु यीशुक चेहरा दिशि ताकए चाहैत अछि जे ओकर उद्धारक लेल क्रूस पर मारल गेल आ पुनर्जीवित भए गेल।

परमेश्वरक वचन दिशि सँ पवित्रात्मा ओकरा याद दिअबैत अछि जे, "आहाँ अपन मोन के व्याकुल नहिँ करू, आहाँ परमेश्वर पर विश्वास रखैत छी, हमरो पर राखु। हमर पिताक वास में ढेरो रहए वला जगह छिक···आ हम आहाँक लेल जगह बनबए लेल जाइत छी···आ फेर आबि हम आहाँ के अपना ओहि ठाम लए जाएब, जाहि सँ जतए हम रहब ओतहि अहुँ रहब" (यहुन्ना १४ : १-३)। जेहन लिखल छैक जे जाहि आँखि नहि ताकलक, नें कान सुनलक आ जे सभ मनुष नहि विचारलक ओ परमेश्वर सँ प्रेम राखए वला कें लेल तैयार कएल गेल अछि। (१ कुरिन्थियों २ : ९) ।

डरबए वला खोपड़ि वा मृत्युक स्थान पर अहि आखिर चित्र में परमेश्वरक एकगोट स्वर्गदूत के देखि रहल छी धर्माचरण सँ युक्त आत्मा के परमेश्वर लग लए जाए लेल आब अछि। ओकर प्राण आ आत्मा आब नाश होमए वला देह सँ निकलि फूजल फाटक सँ स्वर्ग में अपन प्रभु योशु सँ भेंट करए लेल उपर दिशि उठि रहल अछि। ओ अपन प्रभु सँ प्रेम राखैत छल आ ओकरे लेल जीवित रहल आ मुइल। परमेश्वरक समक्ष ओकरा हर्षपूर्वक स्वागत कएल जेतैक आ प्रभु ओकरा सँ ई कहैत भेंट करतैक जे, "आहाँ धन्य आ विश्वासी दास छी, आहाँ थोड कम में विश्वासक जोगरि रहलहुँ, हम आहाँकि ढेर चीज सभक अधिकारी बनाएब, आहाँ अपन स्वामीक खुशी में संग रहू" (मत्ती २५ : २१)। आब आगु घीतामक कोनो प्रभाव ओकरा पर नहि पड़तैक। "यहोवाक भक्त जन सभक मुइनाइ ओकर नजरि में अनमोल छैक" (भजन संहिता ११६ : १५)

"आओर स्वर्ग सँ हम ई शब्द सुनलहुँ, जे लिखु, जे सब प्रभुक लेल मरैत अछि आब सँ ओ धन्य छथि, आत्मा कहैछ जे सही छैक किएक तऽ ओ अपन परिश्रम सँ विश्वास पौतैक आ ओकर कार्य सभ ओकर संग भए जाइछ"। (प्रकाशित वाक्य १४ : १३)।

(आखिर उपदेश)

प्रिय पाठक, परमेश्वर आहांक मदति करताह जौं आहां अपन हृदय ओकरा दए दी, जे आहांक हृदय सँ प्रेम कयलन्हि आओर कहलन्हि जे, "हे हमर पुत्र (पुत्री) आहां अपन मोन हमरा दिशि लगाऊ वा हमरा दए दिअ आ आहांक नजरि हमर क्रिया-कलाप पर लागल रहए" (नीति वचन १३ : २६)। आहां अपन थाकल-हारल, निराश, पीड़ित एवं बोझि सँ दबल हृदय के यीशु मसीह के अर्पण करू आ ओकरा समक्ष फोलि दिअ, ओ आहांकि नव हृदय आ आत्मा प्रदान करत। अपन हृदयक धोखा वा ठकए वला गप दिशि नैं जाऊ आ नैं अपन स्वार्थी इच्छाक अनुरूपैं चलु, "किएक तऽ जे अपना पर भरोस रखैत अछि, ओ मूर्ख थिक; परंच जे बुद्धिक अनुसार चलैत अछि, ओ बचै छैक" (नीति वचन २८ : २६)। आप पाप के छोड़ि, परमेश्वरक धार्मिकता क तलाशु आ ओहि में बनल रहू, "किएक तऽ पापक मजूरी मृत्यु अछि मुदा परमेश्वरक वरदान हमर प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवनक रूप में अछि" (रोमियों ६ : २३)।

आहां सभ जे अपन जीवन के परमेश्वर के सौंपि चुकल छी, "यीशु मसीह में निहित प्रेम आ विश्वासक जे सभ सत्य गप आहां सभ हमरा सँ सुनलहुँ ओकरा अपन आदर्श बनाए अन्तर्निहित करि लिए" (२ तिमुथियुस १ : १३)। ओ पुनः कहैत अछि जे अन्त धरि निबाहए वला अपना के स्थिर रखैत पवित्रात्मा में प्रार्थना करैत, अपना के परमेश्वर प्रेम में रखैत साधक यीशु दिशि तकैत रहि जे आहांक पथ, जीवन आ सत्य थिक। "ओ राजा सभक राजा आ प्रभु सभक प्रभु थिक" जे अपन प्रिय भक्त के महिमायुक्त स्वर्ग में लऽ जेबाक लेल शीघ्र आबए वला अछि ।

"आब जे आहांकि ठोकर खाए सं बचा सकैत अछि, आ अपन परिपूर्ण महिमाक समक्ष मगन आ निर्दोष ठाढ़ करि सकैत अछि, ओहि अद्वितीय हमर परमेश्वरक उद्धारक महिमा, गौरव, पराक्रम आ अधिकार हमर प्रभु यीशु मसीहक अनुकम्पा जेना आदि काल (सनातन काल) स अछि आ अखनि सेहो हुअए आ युग-युग धरि चलैत रहए। इति॥ यहूदा २४, २५)

Copyright ANGP

A SPECIAL WORD FROM ANGP
UN MONDE SPÉCIAL DE L'ANGP
UMA PALAVRA ESPECIAL DA ANGP

This booklet "The Heart of Man" is available in over 538 languages and dialects spoken throughout the world (Africa, Asia, The Far East, South America, Europe, etc.) Our Heart Book is now also available on cell phones, tablets, etc from www.angp-hb.co.za or as an APP "Heart of Man" on Android phones.

Le livre du "Coeur de l'homme" peut etre obtenu en plus de 538 langues et dialectes parles dans le monde entier, a savoir: Afrique, Amerique, Asie, Extreme Orient, Europe. Notre Livre du Coeur est maintenant aussi disponible sur votre Telephone cellular, plaques, etc. de www.angp-hb.co.za ou comme une Application "Heart of Man" sur telephones Android.

Este livro "O Coracao do Homem" e obtfdo em mais de 538 linguas e dialectos falados em todo o mundo, a saber: (Africa, Asia, America do Sul, Extremo Oriente, Europa, etc). O nosso Livro O Coração do Homem tambem esta agora disponivel em telefone celular, tablets, etc. de www.angp-hb.co.za ou como um aplicativo "Heart of Man" nos telephones celulares Android.

Copyright ANGP

The 10 heart pictures contained in this booklet are also available in the form of large coloured picture charts (86 x 61cm) bound together in a set of 10 pictures. These "Heart Charts" can be obtained with European or African features and are particularly suitable to be used in conjunction with the Heart Book for class-teaching, open air evangelization etc. Kindly contact us to ascertain the latest subsidized price of this chart.

Les 10 images du coeur qui figurent dans ce livre peuvent etre obtenues en tableaux de couleur, format 86 x 61 cm, avec des physionomies europeennes ou africaines. Ils peuvent etre utilises en meme temps que le livre du coeur pour des classes bibliques, a

l'ecole du dimanche ou lors de reunions de plein air. Soyez aimable de nous contacter pour assurer les derniers prix en cours du tableau.

As 10 imagens do coracao, contidas neste livro podem ser obtidas num conjunto de 10 imagens em colorido no tamanho de (86 x 61 cm). Estes "Cartazes do Coracao podem ser obtfdos com caracterfsticas Europeias e Africanas e podem ser usados em conjuncao com o mesmo livro em classes de ensino biblico, evangelizacao ou ao ar livre. Agradeciamos que nos contacta- se para confirmacao do ultimo preco dos cartazes.

Kindly write to us if you are able to assist us with further translations of our free Gospel literature, informing us of the language into which you could translate this Gospel literature. Your assistance would be appreciated.

Copyright ANGF

If you have found salvation in Christ, or have been otherwise blessed through our Gospel literature, please let us know. We would like to thank God with you, and remember you further in our prayers.

Nous vous invitons a nous contacter pour faire des arrangements concernant de nouvelles traductions de notre litterature, nous informant de la langue dans laquelle vous pouvez traduire cette litterature evangelique. Votre aide sera beaucoup appreciee.

Si vous avez trouve le salut en Christ ou si vous avez ete beni par notre litterature, nous vous prions de nous le faire savoir. Nous aimerions remercier Dieu avec vous et prier pour vous.

Nos vos convidamos a nos contactar, afim de fazer qualquer arranjo concernente a novas traducoes de nossa literatura em outras lfnguas. Vossa assistencia sera muito apreciavel.

Se tem encontrado a salvacao em Cristo, ou se tem sido abencoado por intermedio da nossa literatura evangelica, faca o favor de nos

informar. Pois nos gostarfamos de agradecer a Deus juntamente convosco, e lembra-lo sempre em nossas oracoes.

For free Gospel literature, books and tracts in over 538 languages, write to:

Pour obtenir gratuitement de la litterature evangelique, des livres et des traites en plus de 538 langues, ecrivez a:

Para obter gratuftamente a literatura evangelica, livros e folhetos em mais de 538 lfnguas diferentes escreva para:

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191
PRETORIA
0001
R.S.A.

info@angp.co.za

Copyright ANGP

A Gospel Literature Mission financed by donations
Une Mission de litterature evangelique financee de dons
Missao de literatura Evanqelica financiada por donativos

(Reg. No. 1961/001798/08)